श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन | श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति | www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 11 ग्वालियर, मंगलवार 11 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक

मोहन कैबिनेट में 1757 करोड़ के प्रोजेक्ट समेत 27,534 कर्मचारियों की पदोन्नति को मंजूरी

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने करीब 1757 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रोजेक्ट को स्वीकृति दी। इसके साथ ही प्रदेश के 27,534 कर्मचारियों की पदोन्नति के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई। लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैठक में सरकार ने विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्णय लिए। स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को गति मिलने की उम्मीद है। सरकार की ओर से सड़क, भवन, जल, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

कर्मचारियों को मिलेगा पदोन्नति का लाभ

कैबिनेट के एक महत्वपूर्ण फैसले में 27 हजार 534 कर्मचारियों की पदोन्नति को मंजूरी दी गई। पदोन्नति मिलने से कर्मचारियों को उच्च पद और जिम्मेदारी मिलने के साथ उनके वेतनमान में भी नियमानुसार लाभ मिलेगा। इससे विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने और प्रशासनिक कामकाज को बेहतर बनाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

सरकार का मानना है कि कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक जिम्मेदारी के साथ काम कर सकेंगे। विभिन्न विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ने से प्रशासनिक ढांचे में भी सुधार आएगा।

विकास कार्यों पर सरकार का जोर

बैठक में मंजूर करीब 1757 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा के बाद निर्णय लिए गए। सरकार का जोर विकास परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर है। कैबिनेट के इन फैसलों को प्रदेश में विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बचाई बच्ची की जान, रेयर ब्लड देकर पेश की इंसानियत की मिसाल

ग्वालियर जीएनएस

अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पहचाने जाने वाले ग्वालियर के एसएसपी धर्मवीर सिंह ने संवेदनशीलता और मानवीयता की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी शहरभर में सराहना हो रही है। एक 16 वर्षीय बच्ची की जान बचाने के लिए जब दुर्लभ ए निगेटिव ब्लड की जरूरत पड़ी और कहीं व्यवस्था नहीं हो सकी, तब एसएसपी धर्मवीर सिंह ने स्वयं आगे बढ़कर अपना रक्तदान किया।

जानकारी के अनुसार जेएएच समूह अस्पताल में एक 16 वर्षीय बच्ची गंभीर हालत में भर्ती थी। उसका डायलिसिस होना था, लेकिन चिकित्सकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ए निगेटिव रक्त की व्यवस्था करना था। अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों ने काफी प्रयास किए, लेकिन इस रेयर ब्लड ग्रुप की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ और अन्य चिकित्सकों को जानकारी मिली कि एसएसपी धर्मवीर सिंह का ब्लड ग्रुप भी ए निगेटिव है। इसके बाद चिकित्सकों ने उनसे संपर्क किया। बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बिना देर किए रक्तदान करने का निर्णय लिया और तत्काल ब्लड बैंक पहुंचकर अपना रक्त दिया।

राज्यपाल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की सौजन्य भेंट

भोपाल जीएनएस

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मंगलवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यपाल को प्रदेश के विकास, जनकल्याण और विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित जानकारी दी। मुलाकात के दौरान प्रदेश से जुड़े समसामयिक विषयों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद रहे।

सावन मेले में समूह और युगल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

बच्चों और युवाओं ने दी शानदार प्रस्तुतियां, 12 तक चलेंगी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित सावन मेले में एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 9 से 12 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से आयोजित हो रहे इन कार्यक्रमों में शहरवासी उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं।

संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि 10 अगस्त को एकल नृत्य, युगल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं को अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया गया था। एकल नृत्य में तीन वर्ग रखे गए, जबकि युगल और समूह नृत्य प्रतियोगिता जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित हुई। समूह नृत्य में वेस्टर्न, क्लासिकल और सेमी क्लासिकल कैटेगरी में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शिखा कट्ठल ने की। अतिथियों का स्वागत अशोक जैन, मुकेश गुप्ता और धीरज गोयल ने किया। प्रतियोगिता में बच्चों और युवाओं ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल में मोक्षी गुप्ता और विक्की कुशवाह शामिल रहे।

आज होंगी मेहंदी, रंगोली और चेयर रेस प्रतियोगिताएं : सावन मेले में 11 अगस्त को मेहंदी रचाओ, रंगोली सजाओ और चेयर रेस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। ये प्रतियोगिताएं शाम के समय ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के सावन मेले में आयोजित होंगी।

भोपाल की टीम प्रथम, उज्जैन द्वितीय और जबलपुर की टीम रही तृतीय

राष्ट्रीय स्वर संधि अंताक्षरी सीजन-6 का भव्य फाइनल ग्वालियर में

ग्वालियर जीएनएस

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के तत्वावधान में फिल्मी गीतों पर आधारित राष्ट्रीय स्वर संधि अंताक्षरी सीजन-6 का सेमीफाइनल एवं भव्य फाइनल मुकाबला जैन छात्रावास में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में देशभर से आए 16 रीजन के राष्ट्रीय एवं रीजन पदाधिकारियों की मौजूदगी में प्रतिभागी टीमों ने गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक स्वर्गीय प्रदीप जी की प्रेरणा से पिछले छह वर्षों से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज की गायन प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है। करीब एक वर्ष से देश के विभिन्न रीजन में प्रतियोगिता के मुकाबले आयोजित किए जा रहे थे। इनमें से चयनित 14 टीमों के बीच सेमीफाइनल हुआ। सेमीफाइनल के बाद चयनित चार टीमों ने फाइनल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

भोपाल की टीम बनी विजेता : फाइनल मुकाबले में भोपाल के विशुद्धसागर ग्रुप की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम की ओर से नीतू जैन ने शानदार प्रस्तुति दी। उज्जैन मेन ग्रुप की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जिसमें मेघना सिंघाई और नीतू जैन ने सहभागिता की। जबलपुर ग्रुप की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। टीम की ओर से अनीता जैन और अंशुल जैन ने प्रस्तुति दी। वहीं प्रोत्साहन पुरस्कार इंदौर नगर ग्रुप की टीम को प्रदान किया गया।

देशभर की प्रतिभाओं को मिला मंच : राष्ट्रीय स्वर संधि अंताक्षरी का संचालन राष्ट्रीय चेयरमैन एवं प्रतिष्ठित गायिका नीता जम्बू जैन धवल के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से देशभर की जैन समाज की गायन प्रतिभाओं को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास किया गया। आयोजन को सफल बनाने में राष्ट्रीय संयोजक नवीन जैन, प्रबंधक जम्बू जैन धवल, प्रभारी यशकमल जैन, संरक्षक आर.के. जैन, शीलकुमार जैन एवं स्नेहलता सोगानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पूर्व सांसद नकुलनाथ के विमान का इंजन फेल, बड़ा हादसा टला

छिंदवाड़ा जीएनएस। मंगलवार सुबह छिंदवाड़ा एयर स्ट्रिप पर बड़ा विमान हादसा टल गया। पूर्व सांसद नकुलनाथ के विमान का रनवे पर ही इंजन फेल हो गया। उस समय विमान में पूर्व सांसद नकुलनाथ के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी सवार थे। जानकारी के अनुसार दोनों नेता भोपाल में आयोजित कांग्रेस की बैठक में शामिल होने के लिए रवाना हो रहे थे। विमान में नकुलनाथ, हरीश चौधरी और स्टाफ के सदस्य सवार हो चुके थे। कुछ देर तक विमान को चालू करने का प्रयास किया गया।

दैनिक श्रमसाधना
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

मिशन शक्ति के तहत कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज में कैंट पुलिस के द्वारा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन, छात्राओं को महिला व साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। मिशन शक्ति अभियान के तहत कैंट पुलिस की ओर से नौ अगस्त रविवार को अर्दली बाजार क्षेत्र के महावीर मन्दिर चौराहा स्थित कस्तूरबा बालिका इंटर कालेज में जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन 7 एसीपी कैंट अपूर्व पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में दो सौ ज्यादा की संख्या मे छात्राओं ने प्रतिभाग किया 7 इस दौरान छात्राओं ने अपनी विभिन्न समस्याएं पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखीं जिनका मौके पर ही समाधान कराया गया 7 पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को महिला अपराध,साइबर अपराध और व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में जानकारी दी 7

एसीपी कैंट अपूर्व पाण्डेय और कैंट थाना प्रभारी राजकिशोर पाण्डेय ने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध की स्थिति में बिना किसी संकोच के तत्काल पुलिस को सूचना दें 7 साथ ही छात्राओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने और साइबर अपराध से बचने के लिए सतर्कता बरतने की अपील की गई।

महिलाओं की सुरक्षा,सम्मान,स्वावलंबन और सशक्तिकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति' अभियान महिला सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है 7 मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत प्रदेशभर में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी शिकायतों के त्वरित निस्तारण,कानूनी सहायता, जागरूकता और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया जा रहा है अभियान का उद्देश्य 'सशक्त नारी,समृद्ध प्रदेश' की संकल्पना को साकार करना है 7 मिशन शक्ति के तहत प्रदेश के सभी 1,647 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं 7 इन केंद्रों के माध्यम से प्राथमिकी दर्ज कराने से लेकर विधिक कार्यवाही तक पीड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है विभिन्न विभागों के सहयोग तथा प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों के माध्यम से पीड़ित महिलाओं के मानसिक एवं सामाजिक पुनर्वास पर भी कार्य किया जा रहा है।

महिला पुलिस बीट से गांव-गांव पहुंच रही सुरक्षा व्यवस्था

महिलाओं तक पुलिस सहायता को सहज रूप से पहुंचाने के लिए प्रदेश के सभी 1,647 थानों में 9,172 महिला पुलिस बीट गठित की गई हैं 7 इन बीटों में 19,839 महिला पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की गई है महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के घर द्वार तक पुलिस सेवा पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है 7

57,695 ग्राम पंचायतों में मिशन शक्ति कक्ष

ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रदेश की 57,695 ग्राम पंचायतों में मिशन शक्ति कक्ष स्थापित किए गए हैं 7 स्वयंसेवी संस्थाओं,आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय कर महिलाओं को सरकारी योजनाओं और उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है।

कांवड़ सेवा शिविर में केंद्रीय मंत्रियों एवं दिग्गज नेताओं ने उपस्थिति दर्ज कराई

प्राण शर्मा गुड़गांव। गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर स्थित धनचिरि कैंप में आयोजित ÷श्री शिव कांवड़ सेवा शिविर÷ में रविवार को केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह एवं केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इसके अलावा शिविर में हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा एवं विधायक श्रीमती बिमला चौधरी भी शिविर में उपस्थित रहीं।

इन सभी अतिथिगण का स्वागत एवं अभिनंदन किया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह और केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने भगवान भोलेनाथ के श्रीचरणों में शीश नवाकर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि, जनकल्याण तथा सभी कांवड़ यात्रियों की मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान केंद्रीय मंत्रियों ने शिवभक्त कांवड़ियों से संवाद किया और उनकी यात्रा, विश्राम तथा शिविर में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिवभक्तों की सेवा में जुटे कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों से भी बातचीत की और श्रद्धा, अनुशासन एवं सेवाभाव के साथ संचालित की जा रही व्यवस्थाओं की सराहना की।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह ने शिवभक्तों की सेवा को भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा बताते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। वहीं केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने शिविर में की जा रही सेवा व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की निःस्वार्थ सेवा भगवान शिव की भक्ति का ही एक स्वरूप है। हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा ने भी शिविर में पहुंचकर कांवड़ यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सेवा कार्य में लगे कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। विधायक श्रीमती बिमला चौधरी ने भी शिवभक्तों से संवाद कर शिविर की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

महिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर 'यशस्विनी' का भव्य आयोजन

डबरा, जीएनएस। भारत विकास परिषद् मध्य भारत उत्तर प्रांत के तत्वावधान एवं डबरा शाखा के आतिथ्य में महिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर 'यशस्विनी' का आयोजन किया गया। इसमें प्रांत की 27 शाखाओं से महिला कार्यकर्ताओं एवं परिषद् सदस्यों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् गान से हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती निधि अग्रवाल, ष्ट, चेयरपर्सन द्वष्टद्व ष्टद्वत्रष्ट ग्वालियर शाखा ने महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता पर प्रकाश डाला।

शिविर में विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों के साथ गीत-संगीत, साज-सज्जा एवं मोटे अनाज से बने व्यंजनों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। परिषद् के विकास मित्र राधेश्याम गुप्ता एवं मानव शर्मा का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ. हेमंत मोदी, अमित जैन, नीरज अग्रवाल, डॉ. संदीपा मल्होत्रा, अलका कुशवाहा, अर्चना मिश्रा, डॉ. उमा शर्मा, रचना गोयल, प्रीति सैनिक सहित परिषद् के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शाखा अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, सचिव संदीप सैनिक एवं कोषाध्यक्ष राहुल राजपूत सहित सदस्यों ने अतिथियों का पुष्पवर्षा एवं ढोल के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम में ÷संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण÷ के मूल मंत्र के साथ महिला सहभागिता को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

मनोनीत पार्षदों का अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन ने किया सम्मान

पोरसा, जीएनएस। मध्य प्रदेश शासन द्वारा नगर पालिका पोरसा के लिए मनोनीत किए गए एल्डरमैन पार्षदों का अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन इकाई पोरसा द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर मनोनीत पार्षदों ने शहर के विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साझा करते हुए कहा कि शासन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें शहर की योजनाएं बनाने और विकास कार्यों में भागीदारी के लिए मनोनीत किया है, उस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन देर शाम समाजसेवी रामशंकर गुप्ता के निवास पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की बैठक के दौरान किया गया। बैठक में नगर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा नवमनोनीत एल्डरमैन पार्षदों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के हरिशंकर गुप्ता, हरिओम गुप्ता, दिनेश गुप्ता, दिलीप जैन, राकेश जैन, संजीव जैन, अनुराग गुप्ता, उमेश चन्द्र गुप्ता,पंकज गुप्ता, राधाकृष्ण गुप्ता, किशन अग्रवाल, मनोज सिंह तोमर सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। समारोह में मनोनीत एल्डरमैन पार्षद हरीशचंद्र गुप्ता पूर्व पार्षद; विश्वनाथ सिंह तोमर पूर्व ग्रामीण बीजेपी मंडल अध्यक्ष; बालकिशन वर्मा एवं पवन सिंगल का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं मनोनीत पार्षद श्रीमती मंजू गुप्ता एवं छविराम सिंह भदौरिया किन्हीं कारणों के चलते कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके।

गुर्जर समाज के अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ संगटन ने शुरू किया सदस्यता अभियान

अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविशंकर धाभाई व राष्ट्रीय महासचिव योगेन्द्र गुर्जर टोरडा के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष राकेश कुमार गुर्जर ने महासंघ के जयपुर आगरा रोड़ पर 52 फुट हनुमान जी के पास स्थित प्रदेश कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया व गुर्जर समाज के युवाओं को अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ की सदस्यता दिलाई व नवनियुक्त सदस्यों का माला व साफा बांधकर अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ की टीम में शामिल होने पर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर व्याख्याता शिवचरण गुर्जर को दौसा जिले के जिलाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी दी, महेश गुर्जर व काफी बड़ी संख्या में युवाओं को अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ की कार्यकारिणी में शामिल किया।

बॉडीक्राफ्ट ने वाराणसी में बढ़ाया अपना विस्तार,34वें क्लिनिक और सैलून की शुरुआत

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक एंड सैलून ने वाराणसी में अपने नए एकीकृत क्लिनिक और सैलून की शुरुआत की है इसके साथ ही उत्तर भारत में ब्रांड की मौजूदगी और मजबूत हुई है 7 करीब 6,500 वर्ग फुट में दो मंजिलों पर बने इस केंद्र में सैलून,त्वचा,बाल,वजन कम करने और सौंदर्य से जुड़े इलाज की पूरी रेंज एक ही जगह पर उपलब्ध होगी 7 यहां विज्ञान पर आधारित उपचार और आधुनिक सौंदर्य उपचार की सुविधाएं दी जाएंगी जिससे भारत के तेजी से बदलते शहरों में से एक वाराणसी के लोगों को बेहतर सेवाएं मिल सकें 7 यह शुरुआत उत्तर भारत में बॉडीक्राफ्ट की विस्तार योजना में एक और महत्वपूर्ण कदम है लखनऊ और कानपुर में अपनी मौजूदगी के बाद वाराणसी में विस्तार उत्तर प्रदेश के प्रमुख और तेजी से बढ़ते शहरों पर बॉडीक्राफ्ट के ध्यान को और मजबूत करता है यह उन टियर-2 शहरों में विस्तार करने की कंपनी की योजना का हिस्सा है,जहां प्रीमियम ब्यूटी,वेलनेस और सौंदर्य उपचार की मांग लगातार बढ़ रही है 7 लोगों की पसंद अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं है टियर-2 शहरों में भी आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञों की सलाह के साथ व्यक्तिगत और बेहतर परिणाम देने वाले उपचारों की मांग बढ़ रही है 7 लोगों की बढ़ती आय,दुनिया भर के ब्यूटी ट्रेंड्स के बारे में बढ़ती जानकारी और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण वाराणसी बॉडीक्राफ्ट के

एकीकृत मॉडल को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत बाजार बनकर सामने आया है 7

बॉडीक्राफ्ट की खास आधुनिक शैली में तैयार किए गए इस केंद्र के डिजाइन में वाराणसी की सांस्कृतिक विरासत की हल्की झलक भी देखने को मिलती है 7 केंद्र में निजी सलाह और उपचार के लिए अलग कमरे,आधुनिक सैलून स्टेशन और एफडीए से मंजूर तकनीकें उपलब्ध हैं इनमें कूलस्कूल्पटिंग हाइड्राफेसिअल और लेजर हेयर रिडक्शन जैसी सुविधाएं शामिल हैं 7 इस शुरुआत के साथ बॉडीक्राफ्ट वाराणसी में अपने क्लिनिकल वजन प्रबंधन और स्लिमिंग उपचारों को भी बड़े स्तर पर बढ़ा रहा है 7 कंपनी इस क्षेत्र को वाराणसी और आसपास के इलाकों में सबसे बड़े अवसर वाले क्षेत्रों में से एक मानती है केवल शरीर के बाहरी बदलाव पर ध्यान देने के बजाय,केंद्र के स्लिमिंग कार्यक्रम ÷अंदर से स्वास्थ्य÷ की सोच पर आधारित हैं इनमें शरीर में मौजूद मांसपेशियों और वसा की जांच,शरीर की अतिरिक्त वसा को कम करने के लिए खास उपचार और मांसपेशियों को मजबूत बनाने से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं 7 इनका उद्देश्य लोगों को लंबे समय तक स्वस्थ तरीके से वजन कम करने, मांसपेशियों को मजबूत बनाने और शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन को ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करना है। केंद्र में बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक की मेडिकल डायरेक्टर और संस्थापक डॉ.मिक्की सिंह द्वारा तैयार किया गया सिग्नेचर स्किन लूमिनिज़र भी उपलब्ध होगा 7 इसके साथ त्वचा को निखारने,बढ़ती उम्र के असर को कम करने,वजन प्रबंधन और शरीर की प्राकृतिक मरम्मत से जुड़े आधुनिक उपचार भी यहां उपलब्ध होंगे 7 इससे यह केंद्र इस क्षेत्र में बॉडीक्राफ्ट के सबसे व्यापक केंद्रों में से एक बन गया है। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि पूजा दीक्षित की मौजूदगी रही उनकी उपस्थिति ने वाराणसी में बॉडीक्राफ्ट की शुरुआत को और खास बनाया और उत्तर प्रदेश में ब्रांड के बढ़ते विस्तार में इसे एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया।

बिलौआ क्षेत्र में प्रतिबंधित की गई खदानों से किसी प्रकार का उत्खनन एवं परिवहन न हो, यह सुनिश्चित किया जाए

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने विभागीय अधिकारियों के साथ किया बिलौआ क्षेत्र की खदानों का निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस। उच्च न्यायालय ग्वालियर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार डबरा अनुभाग क्षेत्र के बिलौआ में प्रतिबंधित की गई खदानों से उत्खनन एवं परिवहन न हो कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बिलौआ क्षेत्र की प्रतिबंधित की गई खदानों का निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार बिलौआ क्षेत्र में प्रबिंधित खदानों से किसी भी प्रकार का उत्खनन एवं परिवहन नहीं होना चाहिए। इसकी वस्तुस्थित पर भी निगरानी रखें। कलेक्टर के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 8 चैकिंग प्वॉइंट भी स्थापित किए हैं। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा जांच दल भी गठित किए गए हैं।

कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निरीक्षण के दौरान एडीएम श्री सी बी प्रसाद, एसडीएम डबरा श्रीमती जूही गर्ग, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती भूमिजा सक्सेना, डिप्टी कलेक्टर श्री अनिल राघव, जिला खनिज अधिकारी श्री पंकजध्वज मिश्रा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने किया वार्ड 55 में निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने रविवार को वार्ड 55 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री मुनीष सिंह सिकरवार, सहायक यंत्री स्मार्ट सिटी श्री अनिल चौहान एवं श्री वेद प्रकाश निरंजन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर में वार्ड 55 अवाडपुरा पानी की टंकी के पास स्थित पार्क की बाउंड्री वॉल बनाने एवं उसमें गेट लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पानी की टंकी के पास ही निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र में पानी भरने की समस्या को लेकर मिट्टी डालकर भूमि का समतलीकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही अवाडपुरा के सामुदायिक भवन के पार्क की बाउंड्री वॉल ऊंची करने एवं गेट बनाने तथा अवाडपुरा में स्थित खुला नाला को पक्का करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान गुड़ा गुड़ी का नाका स्थित पानी की टंकी संप्रदाय के पास बाउंड्री वॉल बनाने एवं उसकी सीढ़ियों की रेलिंग ठीक कराने के निर्देश दिए।

'बैकुंठ से भी अधिक है श्रीधाम वृन्दावन की महिमा'

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। ज्ञान गुदड़ी क्षेत्र स्थित जानकी भवन आश्रम में श्रीरामजानकी सद्गुरु सेवा ट्रस्ट के द्वारा अनंतश्री विभूषित महंत छविराम दास रामायणी महाराज का 21वां वार्षिक पंच-दिवसीय वार्षिक पुण्य स्मृति महोत्सव श्रीमहंत रामदास महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ चल रहा है।जिसके अंतर्गत वेदज्ञ ब्राह्मणों के द्वारा नित्य श्रीराम चरित मानस मूल पाठ, सुन्दरकाण्ड, श्रीहनुमान चालीसा आदि के अनुष्ठान किए जा रहे हैं।साथ ही श्रीराम कथा का भव्य आयोजन हो रहा है।जिसमें व्यास पीठ से पूज्य महाराजश्री के परम् कृपापात्र सीताराम दास महाराज अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा देश के विभिन्न प्रांतों से आए समस्त भक्त-श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसास्वादन करा रहे हैं।

श्रीजानकी भवन आश्रम के अध्यक्ष महंत रामदास महाराज ने सभी भक्तों-श्रृद्धालुओं को अपने आशीर्वचन देते हुए कहा कि श्रीवृन्दावन धाम की महिमा बैकुंठ से भी अधिक है।यहां पर रहने वाले

ब्रजवासी व संत बैकुंठ जाने की आशा नहीं रखते।उनके लिए श्रीधाम वृन्दावन ही बैकुंठ से श्रेष्ठ है।इसीलिए सभी देवतागण इस ब्रजभूमि में बार बार लीला करने आते रहते हैं।यहां पर ठाकुरजी एवं सदगुरुदेव भगवान का उत्सव मनाने से अन्य स्थानों की अपेक्षा शतगुणा अधिक फल प्राप्त होता है।क्योंकि समूचे ब्रज चौरासी कोस की पावन धरा पर आज भी कई ऐसे दिव्य स्थल हैं, जहां पर श्रीराधारानी और भगवान श्रीकृष्ण के होने का आभास प्रभु भक्तों को होता है। महोत्सव में प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, सन्त नारायण दास महाराज (बहजोई), सन्त सीताराम दास महाराज (अयोध्या), सन्त जयराम दास महाराज (करौली), आध्यात्मिक पत्रकार डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इंजी.अजीत वर्मा,कार्यपालन यंत्री,विद्युत अजाक्स फेडरेशन जिला शिवपुरी के अध्यक्ष बने

शिवपुरी, जीएनएस। शिवपुरी में बिजली कंपनियों में कार्यरत अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग अधिकारियों कर्मचारियों की बैठक नरेंद्र चौधरी प्रांतीय महासचिव विद्युत अजाक्स फेडरेशन की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें सर्व सम्मति से श्री अमित वर्मा जी को जिला अध्यक्ष चुना गया।

उनको जिला अध्यक्ष चुने जाने पर संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजी. आशीष रायपुरिया,इंजी लक्ष्मी सोनबाने,इंजी अमित धनेलिया,इंजी ब्रजेश राजे,इंजी सुनीता राजोरिया,खरेश मालवीय, धीर सिंह कनेरिया,मुनेन्द्र गौतम,धन सिंह गौतम,भारत सिंह खन्ना, विकास पाल,अनिल कुमार कोरी,रामसेवक जाटव,दीपक सोलंकी,राम लखन माहोर,जितेंद्र पाटीदार कमल सिंह,पूरन सिंह माहोर,अंकित प्रजापति,लाल सिंह चौहान,श्याम खोगे, रामचंद्र खराडी,रूप सिंह जाटव,बनवारी लाल जाटव,दिनेश शाक्य ,धीरेंद्र चौरसिया,मनोज वर्मा विजय गौतम,राम दीन खगार,अजीत श्रीवास प्रदीप शाक्य,अनिल मौर्य आदि ने बधाई दी है।

नवोदय की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं मे राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ विद्यार्थियों का चयन

पिछोर। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पिछोर के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कबड्डी में 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें अंजली, लवली, रेनुश्री, भारती धाकड़, सलोनी, कृष्णा रजक, शिवम गुर्जर, विक्की कैन एवं चिराग बघेल शामिल हैं। इसी प्रकार खो-खो में खुशबु शिवानी एवं जयदेव, बैडमिंटन में मोहन लोधी, शतरंज में पृथ्वीराज चौहान का चयन हुआ है। वॉलीबॉल में विभा एवं शांति क्रिकेट में कृष्णा कराड़े तथा जूडो में आयुषी लोधी , हेमा लोधी एवं मिष्टी लोधी का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

गोल पहाड़िया-तिघरा रोड का मंत्री श्री कुशवाह ने लिया जायजा

ग्वालियर, जीएनएस। गोल पहाड़िया-तिघरा रोड पर सड़क की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क धंसने वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां

आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ सुधार कार्य कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कुशवाह ने सड़क की स्थिति तथा आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़क पर ऐसे स्थानों को प्राथमिकता से चिन्हित किया जाए, जहां सड़क धंसने अथवा क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में परेशानी या दुर्घटना की संभावना हो। इन स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के साथ सुधार कार्य भी कराया जाए। मंत्री श्री कुशवाह ने सड़क किनारे रह रहे लोगों से भी संवाद कर अपील की कि वे सड़क के नजदीक किसी प्रकार का निर्माण न करें। उन्होंने कहा कि सड़क की सीमा के समीप अनधिकृत अथवा असुरक्षित निर्माण से यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। नागरिकों की सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए सड़क से पर्याप्त दूरी बनाए रखना जरूरी है। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय तथा अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

'न' कहने का साहस भी जरूरी

सहनशीलता को हमेशा से मानव जीवन का श्रेष्ठ गुण माना गया है। दूसरों की बात सुनना, मतभेदों को समझना, गलतियों को क्षमा करना और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना-ये सभी एक स्वस्थ समाज की पहचान हैं। लेकिन क्या सहनशीलता का अर्थ हर बात को स्वीकार कर लेना है? क्या हर परिस्थिति में चुप रहना ही समझदारी है? शायद नहीं। कई बार जीवन में सबसे जरूरी शब्द 'हां' नहीं, बल्कि विनम्र और स्पष्ट 'न' होता है।

'न' कहना आसान नहीं होता। परिवार में संबंध बिगड़ने का डर, मित्रों के बीच गलत समझे जाने की आशंका, कार्यस्थल पर नुकसान की चिंता या समाज में स्वार्थी समझे जाने का भय व्यक्ति को अपनी इच्छा के विरुद्ध भी 'हां' कहने के लिए मजबूर करता है। धीरे-धीरे यह आदत बन जाती है। व्यक्ति दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते-करते अपनी इच्छाओं, जरूरतों और सीमाओं को पीछे छोड़ देता है। बाहर से वह शांत दिखाई देता है, लेकिन भीतर असंतोष, थकान और तनाव जमा होता रहता है।

यहीं सहनशीलता और आत्मसम्मान के बीच का अंतर समझना जरूरी है। सहनशीलता हमें दूसरे के विचार को सुनने और उसके अस्तित्व को स्वीकार करने की सीख देती है, जबकि आत्मसम्मान हमें अपनी गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना सिखाता है। दोनों एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। एक व्यक्ति दूसरों की बात से असहमत होते हुए भी उनका सम्मान कर सकता है और अपने लिए किसी अनुचित आग्रह को स्वीकार करने से इनकार भी कर सकता है।

दरअसल, स्वस्थ 'न' संबंधों को तोड़ता नहीं, बल्कि उन्हें अधिक ईमानदार बनाता है। जब हम अपनी क्षमता, समय और सीमाओं को स्पष्ट करते हैं, तो सामने वाले को भी हमारी वास्तविक स्थिति समझने का अवसर मिलता है। अनिच्छा से कही गई 'हां' कई बार बाद में नाराजगी और पछतावे में बदल जाती है। इसके मुकाबले शांत स्वर में कहा गया 'नहीं, मैं यह नहीं कर सकता' अधिक ईमानदार और सम्मानजनक उत्तर हो सकता है।

लेकिन यहां एक सावधानी भी जरूरी है। आत्मसम्मान के नाम पर हर बात को ठुकराना या हर असहमति को संघर्ष बना देना स्वस्थ व्यवहार नहीं है। हर असुविधा अन्याय नहीं होती और हर समझौता आत्मसम्मान का अपमान नहीं होता। जीवन में सहयोग, समायोजन और त्याग की भी अपनी भूमिका है। असली परिपक्वता इसी बात को पहचानने में है कि कहां धैर्य रखना है, कहां समझौता करना है और कहां अपनी सीमा स्पष्ट कर देनी है।

इस संतुलन की शिक्षा बचपन से देना भी जरूरी है। बच्चों को केवल आज्ञाकारी बनाना पर्याप्त नहीं। उन्हें यह भी सिखाना होगा कि अनुचित स्पर्श, दबाव, गलत मांग या असहज स्थिति में वे स्पष्ट रूप से 'न' कह सकते हैं। साथ ही यह भी समझाना होगा कि अपनी बात रखने का अर्थ दूसरों का अपमान करना नहीं है। युवाओं के सामने तो यह चुनौती और बड़ी है, क्योंकि सामाजिक स्वीकृति और साथियों का दबाव कई बार उनके निर्णयों को प्रभावित करता है। परिवार और कार्यस्थल में भी स्पष्ट सीमाएं स्वस्थ संबंधों की आधारशिला हैं। जो व्यक्ति हर जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेता है, हर आग्रह स्वीकार करता है और अपनी असुविधा व्यक्त नहीं करता, वह लंबे समय में स्वयं के साथ अन्याय करता है। इसके विपरीत, अपनी क्षमता और प्राथमिकताओं के बारे में स्पष्ट व्यक्ति अधिक भरोसेमंद भी हो सकता है, क्योंकि उसकी 'हां' वास्तव में उसकी इच्छा से निकली होती है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

रोजगार, पेपर लीक, शिक्षा, डिजिटल स्वतंत्रता और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर युवा तय कर सकते हैं चुनावी गणित

2029 में जेन-ज़ेड बन सकता है सियासत का किंगमेकर

भारत की राजनीति में नई पीढ़ी की दस्तक अब केवल युवा मतदाताओं की संख्या तक सीमित नहीं रही है। जेन-ज़ेड यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी राजनीतिक दलों के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता, पेपर लीक, पारदर्शिता, डिजिटल स्वतंत्रता और राजनीतिक जवाबदेही जैसे मुद्दे इस पीढ़ी की प्राथमिकताओं में उभर रहे हैं। ऐसे में 2027 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2029 के लोकसभा चुनाव तक जेन-ज़ेड चुनावी समीकरण को प्रभावित करने वाली अहम ताकत बन सकती है।

हालांकि जेन-ज़ेड कोई आधिकारिक चुनावी श्रेणी नहीं है और इसकी आयु सीमा को लेकर पूर्ण सहमति भी नहीं है। इसलिए इसके मतदाताओं की सटीक संख्या बताने के बजाय आयु समूह और उपलब्ध मतदाता आंकड़ों के आधार पर इसका राजनीतिक प्रभाव समझना अधिक उचित होगा। व्यापक युवा वर्ग के संदर्भ में करीब 38 करोड़ का आंकड़ा सामने आता है, लेकिन इसे जेन-ज़ेड के प्रमाणित मतदाताओं की संख्या मानना सही नहीं होगा।

केवल पांच फीसदी बदलाव भी बदल सकता है गणित : राजनीतिक गणित को समझने के लिए यदि व्यापक युवा मतदाता समूह में केवल पांच प्रतिशत लोग चुनाव-दर-चुनाव अपना राजनीतिक रुझान बदलते हैं, तो यह संख्या करीब 1.9 करोड़ तक पहुंच सकती है। इतनी बड़ी संख्या कई लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में परिणाम प्रभावित करने की क्षमता रखती है। हालांकि इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि यही मतदाता अकेले केंद्र में सरकार बना या गिरा देंगे। भारतीय चुनाव में सीट-दर-सीट समीकरण, मतदान प्रतिशत, उम्मीदवार, गठबंधन और स्थानीय मुद्दे भी निर्णायक होते हैं।

पड़ोसी देशों के आंदोलनों से मिला संकेत : दक्षिण एशिया में हाल के वर्षों में युवा-प्रधान आंदोलनों ने सत्ता को चुनौती दी है। श्रीलंका में 2022 का जनआंदोलन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के सत्ता छोड़ने तक पहुंचा। बांग्लादेश में 2024 के छात्र आंदोलन ने शेख हसीना सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा किया। नेपाल में 2025 में भ्रष्टाचार, राजनीतिक विशेषाधिकार और सोशल मीडिया प्रतिबंधों के विरोध में शुरू हुआ युवा आंदोलन भी सत्ता परिवर्तन का कारण बना। हालांकि इन सभी घटनाओं को एक जैसी जेन-ज़ेड क्रांति मानना सही नहीं होगा, लेकिन इससे यह संकेत जरूर मिलता है कि डिजिटल रूप से संगठित युवा असंतोष राजनीतिक सत्ता को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

रैलियों से रील तक पहुंची राजनीति : भारतीय राजनीति में भी युवाओं तक पहुंचने के तरीके तेजी से बदले हैं। भाषण, रैलियों और संगठित कार्यकर्ता नेटवर्क के साथ अब इंस्टाग्राम रील, यूट्यूब शॉर्ट्स, छोटे वीडियो, मीम और सीधे डिजिटल संवाद राजनीतिक संचार का अहम हिस्सा बन चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक दल युवा वर्ग के साथ संवाद के लिए डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं।

राजनीतिक दलों के सामने अब चुनौती केवल युवाओं तक संदेश पहुंचाने की नहीं, बल्कि उनसे लगातार संवाद कायम रखने की है। आज का युवा पार्टी कार्यालय जाने से पहले उसका सोशल मीडिया देखता है और किसी नेता के दावे को स्वीकार करने से पहले अलग-अलग डिजिटल स्रोतों से उसकी पड़ताल कर सकता है।

2029 तक बदल जाएगा युवा मतदाता का सवाल : 2026 में करीब 18 वर्ष का युवा 2029 में 21 वर्ष का होगा। वहीं 2026 में 25 वर्ष का युवा 2029 में 28 वर्ष का होगा। यानी लोकसभा चुनाव तक जेन-ज़ेड का बड़ा हिस्सा केवल पहली बार मतदान करने वाला युवा नहीं रहेगा। वह नौकरी तलाश रहा होगा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा होगा, स्टार्टअप या डिजिटल अर्थव्यवस्था में अवसर तलाश रहा होगा अथवा शहरों में बढ़ती जीवन-यापन लागत से जूझ रहा होगा।

ऐसे में उसके राजनीतिक सवाल भी अधिक ठोस होंगे। रोजगार, पेपर लीक, शिक्षा की गुणवत्ता, कौशल विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप अवसर, महंगाई, आवास, भ्रष्टाचार, पारदर्शिता, डिजिटल स्वतंत्रता, पर्यावरण और राजनीतिक जवाबदेही जैसे मुद्दे चुनावी चर्चा के केंद्र में आ सकते हैं।

संख्या बड़ी, प्रतिनिधित्व छोटा : युवा मतदाताओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व अभी सीमित है। 2024 की 18वीं लोकसभा में निर्वाचित सांसदों की औसत आयु 56 वर्ष थी और केवल करीब 11 प्रतिशत सांसद 40 वर्ष या उससे कम आयु के थे। वहीं लगभग 52 प्रतिशत सांसद 55 वर्ष से अधिक आयु के थे।

25 वर्ष की उम्र में लोकसभा पहुंचने वाले शांभवी चौधरी, संजना जाटव, पुष्पेंद्र सरोज और प्रिया सरोज जैसे युवा सांसद नई पीढ़ी की मौजूदगी का संकेत देते हैं। इसके बावजूद युवा मतदाता और युवा राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है।

केवल सोशल मीडिया से नहीं बनेगा भरोसा : जेन-ज़ेड के लिए राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वे उसे केवल वोट बैंक समझते हैं या नीति निर्माण में सहभागी भी बनाते हैं। युवा यह सवाल कर सकता है कि रोजगार की बात करने वाले दल कितने युवाओं को टिकट देते हैं? परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी होने पर जवाबदेही किसकी होगी? डिजिटल भारत के साथ डिजिटल स्वतंत्रता और पारदर्शिता पर नीति क्या है?

इसलिए 2029 तक राजनीतिक दलों को बूथ स्तर के संगठन के साथ सोशल मीडिया, डिजिटल समुदाय और प्रत्यक्ष संवाद पर भी ध्यान देना होगा। केवल युवा भाषा और रील के जरिए इस पीढ़ी की दूरी खत्म करना संभव नहीं होगा।

अभी किंगमेकर नहीं, लेकिन क्षमता पूरी : 2026 में जेन-ज़ेड को एकजुट राजनीतिक शक्ति कहना जल्दबाजी होगी। इस पीढ़ी के भीतर विचारधारा, जाति, क्षेत्र, भाषा, वर्ग और आर्थिक स्थिति के आधार पर बड़े अंतर हैं। लेकिन 2029 तक यह समूह संभावित किंगमेकर की भूमिका में जरूर आ सकता है।

असल सवाल यह नहीं होगा कि जेन-ज़ेड किस पार्टी को वोट देगा, बल्कि यह होगा कि कौन-सा राजनीतिक दल उसके मुद्दों को सबसे विश्वसनीय तरीके से अपने एजेंडे में शामिल करता है। रोजगार को अवसर में बदलने की योजना, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, पेपर लीक पर जवाबदेही, शिक्षा-कौशल को रोजगार से जोड़ना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में युवाओं के लिए अवसर पैदा करना राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता तय कर सकता है।

बिना मशीन ब्लड प्रेशर : क्या शरीर खतरे के संकेत दे सकता है?

डॉ. विजय गर्ग

ब्लड प्रेशर हृदय और रक्त वाहिकाओं के स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इसे अक्सर ÷साइलेंट किलर÷ कहा जाता है, क्योंकि उच्च रक्तचाप कई बार कोई स्पष्ट लक्षण पैदा नहीं करता। इससे एक दिलचस्प सवाल उठता है–क्या ब्लड प्रेशर मापने वाली मशीन के बिना हम जान सकते हैं कि हमारा रक्तचाप बढ़ा हुआ है? छोटा-सा जवाब है–विश्वसनीय रूप से नहीं। कोई व्यक्ति केवल अपनी नाड़ी महसूस करके, चेहरे को देखकर, आंखों की जांच करके या अपने शरीर के अहसास के आधार पर ब्लड प्रेशर का सही अनुमान नहीं लगा सकता। किसी व्यक्ति का रक्तचाप काफी बढ़ा हुआ हो सकता है, फिर भी वह बिल्कुल सामान्य महसूस कर सकता है। दूसरी ओर, सामान्य ब्लड प्रेशर वाले व्यक्ति को सिरदर्द, चक्कर या घबराहट जैसे लक्षण हो सकते हैं। बहुत अधिक रक्तचाप के साथ कभी-कभी तेज सिरदर्द, दृष्टि में बदलाव, सीने में परेशानी, सांस लेने में कठिनाई, कमजोरी, भ्रम या अन्य असामान्य लक्षण जुड़े हो सकते हैं। लेकिन ये लक्षण केवल उच्च रक्तचाप के कारण ही नहीं होते। इसलिए इन्हें ब्लड प्रेशर मापने का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

ब्लड प्रेशर मापना क्यों जरूरी है?

ब्लड प्रेशर दिन के अलग-अलग समय पर बदलता रहता है। शारीरिक गतिविधि, तनाव, नींद, भावनाएं, कैफीन, दवाइयां और कई अन्य कारक इस पर प्रभाव डाल सकते हैं। शरीर में महसूस होने वाला कोई एक अहसास रक्त वाहिकाओं के भीतर मौजूद वास्तविक दबाव की सही जानकारी नहीं दे सकता।

ब्लड प्रेशर मापने वाली मशीन दो महत्वपूर्ण मान बताती है–

- सिस्टोलिक प्रेशर – जब हृदय सिकुड़ता है और रक्त को पंप करता है, उस समय का दबाव।

- डायस्टोलिक प्रेशर – जब हृदय धड़कनों के बीच आराम करता है, उस समय का दबाव। ये दोनों आंकड़े हमें ऐसी जानकारी देते हैं, जो केवल कलाई पर नाड़ी महसूस करके या दिल की धड़कन को महसूस करके प्राप्त नहीं की जा सकती।

क्या नाड़ी से कुछ पता चल सकता है?

नाड़ी महसूस करने से हृदय की धड़कन की गति और लय के बारे में कुछ जानकारी मिल सकती है, लेकिन इससे ब्लड प्रेशर का स्तर पता नहीं चलता। तेज या जोरदार नाड़ी का अर्थ यह नहीं है कि रक्तचाप निश्चित रूप से बढ़ा हुआ है। इसी तरह धीमी या कमजोर नाड़ी का अर्थ यह नहीं है कि रक्तचाप कम है। इस अंतर को समझना बहुत जरूरी है, क्योंकि बहुत से लोग यह मान लेते हैं कि ÷जोरदार नाड़ी÷ उच्च रक्तचाप का संकेत है। यह एक विश्वसनीय तरीका नहीं है।

स्मार्टफोन और स्मार्टवॉच के बारे में क्या?

आधुनिक पहनने योग्य उपकरण स्वास्थ्य से जुड़े कई मापदंडों की निगरानी कर सकते हैं और तकनीक तेजी से विकसित हो रही है। कुछ उपकरण रक्तचाप का अनुमान लगाने का दावा भी करते हैं, लेकिन उनकी सटीकता उपकरण, तकनीक, कैलिब्रेशन और व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुसार काफी अलग हो सकती है। जिन लोगों को विश्वसनीय रक्तचाप की निगरानी की आवश्यकता है, उनके लिए सही आकार वाले कफ के साथ प्रमाणित ब्लड प्रेशर मॉनिटर का उपयोग अधिक भरोसेमंद विकल्प है। तकनीक निगरानी में सहायता कर सकती है, लेकिन इसके आधार पर चिकित्सकीय जांच को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कौन से चेतावनी संकेत नजरअंदाज नहीं करने चाहिए?

यद्यपि केवल लक्षणों के आधार पर उच्च रक्तचाप की पहचान नहीं की जा सकती, लेकिन कुछ लक्षण तत्काल चिकित्सकीय सहायता की मांग करते हैं। सीने में तेज दर्द, सांस लेने में गंभीर कठिनाई, अचानक कमजोरी या सुन्नपन, बोलने में कठिनाई, गंभीर भ्रम या दृष्टि में अचानक बदलाव जैसे लक्षणों को आपातकालीन स्थिति के रूप में लेना चाहिए और केवल रक्तचाप से जोड़कर नहीं देखना चाहिए।

-85 वें जन्म दिवस पर होंगे अनेक धार्मिक आयोजन

अनुशासित और संस्कारित जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं प्रसिद्ध जैन साध्वी रमणीक कुंवर जी

अशोक कोचेटा

शिवपुरी। 8 मार्च 1962 जैन समाज के स्थानकवासी सम्प्रदाय के प्रसिद्ध संत मालव केसरी सौभाग्यमल जी से महाराज साहब के मुखारबिन्द से और साध्वी चांदकुंवर जी, साध्वी शांतिकुवर जी के सानिध्य में जैन दीक्षा लेने वाली प्रसिद्ध जैन साध्वी रमणीक कुंवर जी महाराज साहब (दमू)आज देश की जानीमानी जैन साध्वी है जिनका जीवन उत्कृष्टता की ऐसी मिसाल है जो सभी के लिए प्रेरणा का केन्द्र है। उनके व्यक्तित्व से एक ओर जहां अनुशासित, संस्कारित और संयमित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती हैं। वहीं गुरू के प्रति समर्पण की भी उनके व्यक्तित्व में अदभुत झलक हैं। साध्वी शांतिकुवर जी महाराज की सुशिष्या साध्वी रमणीक कुंवर जी का जीवन गुरू सेवा की प्रतिमूर्ति के रूप में साफ तौर पर परिलक्षित होता हैं। अपनी गुरूणी मैया के प्रति

उनका समर्पण इस हद तक हैं कि उन्हें गुरू छाया की पदवीं से भी अलंकृत किया गया है। उनके चेहरे पर हमेशा पवित्र मुस्कान रहती है और वह बिना किसी भेदभाव के चेहरे पर मुस्कान विखेर कर उनके दर्शनों को आने वाले श्रावक और श्राविकाओं को अशीर्वाद देते हुए पहला शब्द मेरे पुण्यवानों दया पालो का संबोधन देती हैं। जिससे उनके दर्शन और बंदन करने वाले श्रद्धालुओं का रौम रौम पुलकित हो उठता है। उनके 85 वें जन्म दिवस पर स्थानकवासी जैन समाज अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। मुख्य समारोह इंदौर में संपन्न होगा जहां साध्वी रमणीक कुंवर जी महाराज चातुर्मास कर रही हैं।

पूर्व जन्म के धार्मिक संस्कारों का उन पर अदभुत प्रभाव रहा। उनका जन्म निमाड़ के एक छोटे से गांव करई में हुआ। उनके पिता का नाम धनसुखलाल और माँ का नाम सूरज बाई था। जबकि साध्वी रमणीक कुंवर जी का सांसारिक नाम दम्यंती था। जब वह मात्र दो वर्ष की थी तो उनकी माँ सूरज बाई का अचानक देहावसान हो गया। उनकी माँ जैन समाज के मूर्तित पूजक सम्प्रदाय से थीं। माँ की मृत्यु के बाद दूसरी माँ घर में आई वह स्थानकवासी सम्प्रदाय की जबकि उनकी धाई माँ वैष्णव धर्म का पालन करती थी। बालिका दम्यंती ने तीन-तीन माह का दूध पिया। उनका परिवार काफी समृद्ध था तथा घर में जमीन जायदाद और धन दौलत की कोई कमी नहीं थी। 9 वर्ष की होते-होते बालिका दम्यंती के सिर से पिता का साया भी उठ गया। साथ ही घर में धन संपत्ति का विवाद भी शुरू हो गया। शायद इससे बालिका के मन में वैराग्य की भावना जाग्रत हुई। इंदौर में मोरसली गली में उनके मामा के यहां जब वह गईं तो पास में स्थित स्थानक में महासती शांतिकुंवर जी महाराज विराजमान थीं। अपनी भावी गुरुणी मैया को जब संस्कारों से परिपूर्ण दम्यंती ने प्रणाम किया और उनसे अपने गांव आने की विनती की तो। शांतिकुंवर जी महाराज इन्कार नहीं कर सकी। बालिका ने उनसे कहा था कि मैं दीक्षा लूंगी और मेरी गुरुणी आप बनोगी। लेकिन घर बालों ने बालिका को दीक्षा देने से इन्कार कर दिया। इसके बाद बताया जाता है कि 13 वर्षीय बालिका अपने मौसी के पुत्र पूर्व मंत्री अमोलकचंद छाजेड़ से मिली। इस पर अमोलकचंद जी एक जज के यहां ले गए। जज महोदय ने सुझाया कि यदि बालिका विवाह कर ले तो अनुमति सिर्फ एक पतिदेव से ही लेना होगी और यह जैन इतिहास में पहला उदाहरण है जब किसी बालिका ने साध्वी बनने के लिए शादी करने का निर्णय लिया उनका विवाह 13 वर्ष की उम्र में वकील साहब श्रेयमल जी छाजेड़ के पुत्र अमृतलाल छाजेड़ से हुआ। साध्वी रमणीक कुंवर जी की सुशिष्या साध्वी नूतन प्रभा श्री जी बताती हैं कि गुरूणी मैया ने फेरे लेने से पूर्व ही अपने पति को अपने निर्णय के विषय में अवगत करा दिया था और उन्होंने भी सहमति व्यक्त की थी। 8 मार्च 1962 को वह अमूल्य क्षण आ गया जिसकी बालिका प्रतिक्षा कर रही थी। उनकी दीक्षा सानंद संपन्न हुई और दीक्षा लेने के बाद साध्वी रमणीक कुंवर जी ने जैन आगमों का अध्ययन शुरू कर दिया। संस्कृत और प्राकृत भाषा में निपुणता प्राप्त की। वह साधना में 9-9 घंटे व्यतीत करती थीं और जब वह उपदेश देती हैं तो श्रोतागण मंत्रमुग्ध होकर उन्हें सुनते चले जाते हैं। सादगी पूर्ण और संयमित जीवन की वह मिसाल हैं। उनकी जन-जन और प्राणी मात्र के प्रति वात्सल्यता और प्रेम अनुकरणीय है। अपनी सुशिष्याओं के प्रति वह न केवल एक श्रेष्ठ गुरु हैं बल्कि ममतामयी माँ भी हैं। उनके 85 वें जन्म दिवस पर उनके श्री चरणों में कोटि-कोटि नमन।

तप, त्याग, संवर और सामायिक कर मनाया जाएगा साध्वी जी का जन्म दिवस

निमाड़ सौरभ साध्वी रमणीक कुंवर जी के 85 वें जन्म दिवस उनकी चार्तुमास स्थली श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्री संघ इंदौर में 12 अगस्त को अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उनका 85 वा जन्म महोत्सव उनके भक्तगण तप, त्याग, संवर्ग और सामायिक कर मनाऐंगे। कार्यक्रम नवीन जैन साधना भवन में आयोजित होंगे। देश भर में अनेक स्थानों पर भी साध्वी जी का जन्म दिवस धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया जाएगा।

मंत्री कुशवाह ने 4 लाख रुपए की सहायता उपलब्ध कराई

शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दुर्घटना स्थल का जायजा लेकर

ग्वालियर, जीएनएस। लक्ष्मीगंज स्थित मेहराब साहब की तलैया में युवक के डूबने की दुखद घटना पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक पंकज सूर्यवंशी के शोकाकुल परिजनों से मिलकर उनकी पीड़ा साझा की और उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही प्रदेश सरकार की ओर से मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की गई। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार स्वयं को अकेला न समझे। सरकार उनके साथ है और परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मंत्री श्री कुशवाह ने मेहराब साहब की तलैया स्थित दुर्घटना स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि तलैया पर आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने दुर्घटना की संभावना वाले स्थानों पर आवश्यक सावधानियां और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय तथा अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चाय विथ 'हेल्प गुरु': संवाद, सुझाव और समाधान का संगम

प्रत्येक रविवार को होने वाली अद्वितीय और अनोखी ग्वालियर चंबल संभाग में प्रचलित चाय पर चर्चा चाय विथ ÷हेल्प गुरु÷ इस रविवार 9 अगस्त को वेदांश कंप्यूटर एजुकेशन तानसेन रोड ग्वालियर पर आयोजित की गई इस अद्वितीय और अनोखी चाय की चर्चा में जनप्रतिनिधि, राजनेता, पत्रकार बंधु, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर,समाज सेवी, भूतपूर्व सैनिक, युवा और छात्र-छात्राएं शामिल हुए इस बार चाय पर चर्चा बदलते परिदृश्य में ग्वालियर और चंबल संभाग का नाम हमेशा ऊपर रहे इसके लिए जन प्रतिनिधियों, समाज सेवियों, युवाओं और छात्र-छात्राओं की क्या भूमिका है इस विषय पर चाय पर चर्चा (चाय विद हेल्प गुरु) संपन्न हुई।

आज चाय की चर्चा में युवाओं और छात्र-छात्राओं ने एक स्वर में कहा ग्वालियर चंबल संभाग का युवा घर, परिवार और समाज को देखकर चलने वाला युवा है और यही छवि भविष्य में बनी रहे इसके लिए इस प्रकार के आयोजन निरंतर होने चाहिए। चाय की चर्चा के संयोजक हेल्प गुरु प्रमोद राजावत ने बताया यह चाय की चर्चा (चाय विथ हेल्प गुरु) युवाओं और छात्रों में संवाद, सुझाव और समाधान का अद्भुत संगम बन गई है।

मामला ग्राम हिलगना का)जिलदबंदोवस्त में शासकीय चरनोई भूमि खरीद- बिक्री का

गुना सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार जिले के ग्राम हिलगना में शासकीय भूमि हथियाने के प्रयास में सफल हुए शहर के कुछ नागरिक के विरुद्ध प्रशासन कार्रवाई करने में असहाय हो रहा है या फिर वह इन संभ्रांत नागरिकों के विरुद्ध कार्रवाई करने में अक्षम सिद्ध हो रहे हैं यह ज्ञात हो कि ग्राम हिलगना तहसील गुना स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 90/1/2 मिन रकबा 0.418 हेक्टर तथा भूमि सर्वे नंबर 90/1/1 रकवा 2.000हेक्टर तथा सर्वे नंबर 90/1/2 मिन रकबा 1.045 - हेक्टर,कुल रकबा 3.151 हेक्टर पटटा भूमि को बिना वैध अनुमति प्राप्त किया पटटेदार ने भूमि विक्रय कर दी थी जिन-जिन क्रेताओं ने बिना अनुमति प्राप्त क्रय की गई भूमि अन्य को विक्रय की उसकी बदस्तूर विक्रय पंजीयन विभाग में होता रहा और तहसील में भूमि स्वामी के रूप में नाम दर्ज होते रहे इस बेस कीमती जमीन को खुर्द- बुर्द करने में तहसील ग्रामीण के जिम्मेदार अधिकारी समय-

समय पर सहयोग करते रहे भू-राजस्व अभिलेख खंगाला तो पाया कि उपरोक्त मानक भूमिया जिल्द-बंदोबस्त में सरकारी (चरनोई)दर्ज हैं मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता पटटेदार या विक्रय- वर्जित के स्वामी को ही भूमि विक्रय अनुमति लेने का अधिकार देती है नाकि बिना अनुमति प्राप्त भूमि के खरीददारों को विक्रय अनुमति आवेदन प्रस्तुत करने का अधिकार देती है सर्वे नं 90 राजस्व अनुसार 61 बीगा जिलदबंदोवस्त में (चरनोई)शासकीय है ओर भूमि सरवे नं 99/2/1 रकवा 3.564 हेक्टर (सर कारी पठार) 40 बीगा ,ऐसी भूमियों को अगर कोई प्लॉट बनाकर बेचता है तो सावधानी वरते कुछ लोग सरीफ की चादर ओढ़कर यह धंधा कर रहे है।

भाकपा के राष्ट्रीय आव्हान के तहत ग्वालियर में चौथे दिन पदयात्रा संपन्न

संकल्प को पूरा करने 01 सितंबर को दिल्ली रामलीला मैदान चलो

ग्वालियर, जीएनएस। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरोध में बदलाव जरूरी है की मांग को लेकर 01 सितंबर 2026 को दिल्ली रामलीला मैदान में विशाल महारैली का आव्हान किया है। महा रैली के पूर्व जन जागरण करने देशव्यापी पदयात्रा का राष्ट्रीय आव्हान 6 से 14 अगस्त तक किया है जिसमें केंद्र सरकार की विफल आर्थिक नीतियों, महंगाई, बेरोजगारी , भ्रष्टाचार मजदूर एवं किसानों के खिलाफ नए कानून बनाकर बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों को बड़े घरानो को सोपना, गलत शिक्षा नीति, पेपर लीक, शांतिपूर्ण छात्रों के आंदोलन के दौरान क्रूर हमला आदि समस्याओ के विरोध में जनता को लाम बंद किया जावेगा।

राष्ट्रव्यापी पदयात्राओं के आव्हान के तहत ग्वालियर में चौथी पदयात्रा आज शाम बजे 05 बजे उरवाई गेट से फालका बाजार सब्जी मंडी लश्कर ग्वालियर तक पदयात्रा, पर्चा वितरण किया गया । पदयात्रा का नेतृत्व लश्कर कमेटी के सचिव एवं जिला सचिव मंडल सदस्य कॉम हरिशंकर माहौर, कॉम रमेश सविता, कॉम सलीम खान ने किया ।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य

प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला ग्वालियर सहसचिव कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने विज्ञप्ति जारी कर कहां कि देश की मेहनतकश जनता, किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान, महिलाएं, नोटबंदी से पीड़ित व्यवसायी वर्ग,कर्मचारी सभी केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण त्राहिमाम है सभी बदलाव चाहते हैं। बदलाव जरूरी है क्योंकि केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्तारूढ होने के बाद भारत के संवैधानिक मूल्यों, लोकतन्त्र , अभिव्यक्ति की आज़ादी, सामाजिक न्याय, समाजवाद , धर्म निरपेक्षता, सार्वजनिक क्षेत्र, मेहनतकश जनता के हितों पर संकट पैदा किया है । छात्र और नौजवानों पर आंदोलन के दौरान क्रूरता पूर्वक हमले किए जा रहे हैं।

देश की सभी संस्थाओं पर पूर्ण कब्जा कर लिया है देश की संपत्ति को बड़े पूंजीपतियों सोपा जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप नौजवानो को रोजगार नहीं । पूंजीवादी और फासीवादी ताकतों के जन विरोधी गठजोड़ से जनता बेहाल है। लगातार बढ़ती महंगाई , बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ध्वस्त किया गया है। भारत सरकार की अमेरिकी साम्राज्यवाद परस्त नीतियों से सारी दुनिया में भारत की छवि पर आंच आई है। ऐसे संकट के समय में जनहित के लिए हमारी प्रतिबद्धता और फासीवाद के प्रतिरोध के संकल्प की अभिव्यक्ति तथा मेहनतकश जनता की पक्षधर राजनीतिक चेतना के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए पदयात्रा की जा रही है। आम जनता से अपील है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आव्हान बदलाव जरूरी है को साकार करने नई दिल्ली रामलीला मैदान में 01 सितंबर 26 को आयोजित विशाल आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने एवं संघर्ष फंड में अपना आर्थिक सहयोग देने की अपील है।

नैनीताल का रोप-वे, अंग्रेजों ने 139 वर्ष पहले ही बना ली थी योजना

प्रयाग पाण्डे

अंग्रेजों के प्रकृति प्रेम एवं औपनिवेशिक शासकों की तात्कालिक आवश्यकताओं के चलते आज से करीब 183 साल पहले 1843 में कुछ यूरोपीय नागरिकों की स्वतंत्र पहल से नैनीताल नामक नगर की बसावट शुरू हुई। नैनीताल को एक आदर्श हिल स्टेशन के रूप में आबाद और विकसित करने के पीछे अंग्रेजों का प्रकृति प्रेम के साथ लालच भी था और जरूरत भी। इसमें कोई दो राय नहीं कि नैनीताल के प्रति अंग्रेजों के मन में एक विशेष आत्मीयता का भाव था। आत्मीयता के इस रिश्ते को उन्होंने नैनीताल के साथ ईमानदारी से निभाया भी।

नैनीताल को अंग्रेजों ने एक निश्चित जनसंख्या के लिए बसाया। इसी के मद्देनजर यहाँ आधारभूत सुविधाओं का ढाँचा खड़ा किया गया था। 1890 के आसपास जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी तकरीबन दस हजार के आसपास थी,तभी से यहाँ की भार वहन क्षमता का आकलन किए जाने की बात होने लगी थी। तत्कालीन अनेक ब्रिटिश अधिकारियों का कहना था कि नैनीताल अति मनुष्यों से भर गया है। लिहाजा यहाँ आबादी का और अधिक बोझ डाला जाना अनुचित है। अंग्रेज नैनीताल के भंगुर पर्यावरण से बखूबी वाकिफ थे। उनकी हरेक योजनाएं दीर्घकालिक नजरिए से बनती थीं। अंग्रेजों ने आज से 139 साल पहले नैनीताल को रोप -वे से जोड़ने के बारे में सोच लिया था। इसके लिए बाकायदा रोप -वे की योजना को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई थी।

प्रारंभिक काल में नैनीताल आने-जाने के लिए सबसे बड़ी समस्या रास्तों की थी। प्रारंभिक दौर में बरेली से बाजपुर होते हुए कालाढूंगी पहुँचा जाता था, वहाँ से निहाल नदी के किनारे- किनारे खुर्पाताल होते हुए नैनीताल। शुरुआत में यह पूरी यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ती थी। 1847 में निहाल पुल से खुर्पाताल होते हुए नैनीताल तक अश्व मार्ग बना दिया गया था। फिर पुरुषों के लिए घोड़े और महिलाओं एवं बच्चों के लिए डांडी से यात्रा करना संभव हो गया था। 1884 में काठगोदाम तक रेल पहुँचने के बाद 1885 में काठगोदाम से ब्रेवरी तक सड़क बनाई गई। इसके बाद ब्रेवरी तक तांगे आने लगे थे। ब्रेवरी से नैनीताल आने के लिए घोड़े, डांडी और पालकी या फिर पैदल एकमात्र यातायात के साधन थे। ब्रिटिश साम्राज्य में भारत के सर्वशक्तिमान आका समझे जाने वाले अविभाजित भारत के वॉयसराय और नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर से लेकर ब्रिटिश सेना और शासन के सभी आला अफ़सरान घोड़े की सवारी कर ही नैनीताल आते-जाते थे। 1893 में नैनीताल में तांगे आने लगे थे।

तांगों द्वारा यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाने के बावजूद अभी भी नैनीताल में आवागमन बहुत आसान नहीं था। स्थानीय मौसमियत का आवागमन पर सीधा असर पड़ता था।बरसात और ठंड के दिनों में नैनीताल की आवाजाही बेहद जोखिम भरी, श्रमसाध्य एवं तकलीफ़देह होती थी। बरसात में भू -धंसाव की घटनाएं बढ़ जाती थीं, जिससे आवागमन प्रभावित होता था। अगर मौसम अनुकूल भी हो तो भी नैनीताल आने -जाने में बहुत समय लगता था। आवागमन की इस समस्या से निजात पाने के लिए मई,1887 में मिस्टर हन्ना नामक एक अंग्रेज ने यातायात और सामान लाने, ले जाने के लिए नैनीताल से कालाढूंगी की ओर तीन हजार फीट लंबे रोप-वे के निर्माण का सुझाव दिया। ब्रिटिश प्रशासन ने इस प्रस्ताव पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी। इस कार्य को संपादित करने के लिए 1888 के प्रारंभिक दिनों में %नैनीताल रोप -वे कंपनी लिमिटेड% बन गई। अगस्त,1888 में मिस्टर हन्ना ने रोप-वे के लिए 9900 रुपये की शुरुआती योजना बना ली थी। मिस्टर हन्ना की रोप-वे की इस योजना का नैनीताल नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने व्यवहारिक पक्षों का अध्ययन किया। तब इस समिति में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भी सदस्य होते थे। योजना के सभी पक्षों की जाँच-परख के बाद नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी। 8 अक्टूबर, 1888 को नगर पालिका कमेटी की बैठक में भी इस योजना को स्वीकृति दे दी गई। अंतिम स्वीकृति के लिए योजना को कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक कमिश्नर को भेज दिया गया।

प्रस्तावित रोप -वे के तार स्लीपी हॉल एवं लौंगडेल से होते हुए जाने थे। 30 नवंबर, 1888 को नगर पालिका, नैनीताल के तत्कालीन उपाध्यक्ष जे. ओकशॉट ने कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त को रोप-वे के तारों को ले जाने के लिए स्लीपी हॉल और लौंगडेल की जमीन के निश्चित हिस्सों को %अनिवार्य अधिग्रहण एक्ट-×-1870% की धारा -12 के अंतर्गत 650 रुपये में अधिगृहित करने का प्रस्ताव भेजा।

इधर नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना से कहा कि वे इस योजना का ठेका दस हजार रुपये में खुद ही ले लें। नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना को योजना की लागत राशि का अग्रिम भुगतान करने की भी पेशकश कर दी। मिस्टर हन्ना की सहमति के बाद नगर पालिका ने रोप -वे योजना का दस हजार रुपये का टेंडर उनके नाम स्वीकृत कर दिया था। नगर पालिका का तर्क था कि दार्जिलिंग में दस हजार रुपये की लागत से एक हजार फीट लंबी रोप- वे लाइन डाली गई है, जबकि मिस्टर हन्ना उतनी ही राशि में तीन हजार फीट लंबी रोप-वे बनाने जा रहे हैं। वह भी बिना अग्रिम भुगतान के।

नगर पालिका ने रोप -वे योजना के लिए सरकार से नारायण नगर, चोरखेत और सड़ियाताल में जमीन माँगी। इसी दरम्यान पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता एफ.बी.हेंसलोव ने मिस्टर हन्ना की रोप-वे योजना पर अपनी विस्तृत आख्या दी थी।

अभी यह प्रस्ताव कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त के विचाराधीन था। प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद जमीन पर काम शुरू हो पाता कि 6 मई,1888 को हरमिटेज, स्लीपी हॉल और क्रेग कॉटेज के तत्कालीन स्वामी कर्नल डब्ल्यू. बैरन और लौंगडेल के तत्कालीन मालिक कुंवर रणजीत सिंह ने इस योजना पर अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। कर्नल डब्ल्यू. बैरन का कहना था कि उन्होंने हाल ही में हरमिटेज को दोमंजिला किया है। प्रस्तावित रोप-वे उनके बरामदे से दृष्टिगोचर होगी,जिससे उनकी निजता भंग होने की आशंका है। कर्नल बैरन ने अपने पत्र में लिखा कि नैनीताल के %बड़े फायदे% के लिए उनकी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना उचित नहीं है। इस मामले में लंबी लिखा-पढ़ी हुई। अंततः यह मामला नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर तक जा पहुँचा। प्रोविंसेज के गवर्नर ने कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों का संज्ञान लिया। इस बारे में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध के सचिव आर. स्मीटन ने 18 मई, 1888 को कुमाऊँ के कमिश्नर को पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर किसी भी नागरिक के निजी अधिकारों के हनन के पक्ष में नहीं हैं। कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों के मद्देनजर रोप -वे के लिए वैकल्पिक मार्ग खोजा जाए। जिसमें किसी की निजी भूमि नहीं आ रही हो या किसी को भी कम से कम नुकसान हो। इसके बाद रोप -वे की यह योजना हवा में ही अटक कर रह गई। 1947 में अंग्रेज अपने वतन लौट गए। भारत आजाद हो गया। आजादी के 79 साल बीत जाने के बावजूद नैनीताल को रोप-वे से जोड़ने की दिशा में आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

जब नैनीताल में यातायात के वैकल्पिक व्यवस्थाएं खोजने का यह मुआमला चल रहा था, तब यहाँ यांत्रिक यातायात की शुरूआत नहीं हुई थी। नैनीताल गाड़ियों की भीड़ -भाड़ और शोरगुल से निरापद था। आज जबकि नैनीताल के हरेक हिस्से में गाड़ियां बिछ-सी गई हैं। रोज-ब-रोज गाड़ियों का तांता बढ़ता ही चला जा रहा है। नगर के पैदल रास्ते भी छोटी-बड़ी गाडियों की भीड़ से अछूते नहीं हैं। नगर की सड़कों में क्षमता से कई गुना अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहन दौड़ रहे हैं। अनियंत्रित यातायात के चलते आम लोगों का पैदल चल पाना दुष्कर हो गया है। अंधाधुंध यांत्रिक यातायात के कारण यहाँ वायु और ध्वनि प्रदूषण में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। आजाद भारत के आधुनिक योजनाकार क्षमता से कई गुना अधिक गाड़ियों की इस जानलेवा भीड़ पर प्रभावी अंकुश लगाने की जुगत लगाने के बजाय इस समस्या का समाधान पार्किंग सुविधा बढ़ाने में खोज रहे हैं। जब नगर में निश्चित संख्या से अधिक गाड़ियों के चलने के लिए जगह ही नहीं है तो पार्किंग सुविधा बढ़ाने से क्या लाभ होगा? इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है। नैनीताल नगर में क्षमता से अधिक वाहनों के रेंगने से रोकने के लिए दीर्घकालिक हल खोजने की जरूरत है। ताकि यहाँ के पर्यावरण और मौसमियत,दोनों की हिफाज़त हो सके।

(लेखक नैनीताल के निवासी हैं और प्रकृति व पहाड़ों के जानकार हैं।)

आज़ादी के 80 वर्ष : विज्ञान और खोज में भारत की असाधारण यात्रा

डॉ. विजय गर्ग

भारत जब अपनी स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है, तब यह केवल एक ऐतिहासिक राजनीतिक उपलब्धि को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक खोज, तकनीकी नवाचार और बौद्धिक विकास की एक असाधारण यात्रा पर विचार करने का भी समय है। 1947 के बाद भारत ने सीमित वैज्ञानिक ढाँचे वाले एक नवस्वतंत्र देश से अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, परमाणु विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और अनेक अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राष्ट्र तक का लंबा सफर तय किया है।

स्वतंत्रता के समय भारत के सामने बहुत बड़ी चुनौतियाँ थीं। गरीबी व्यापक थी, साक्षरता दर कम थी, स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित थीं और वैज्ञानिक संस्थानों की संख्या भी बहुत कम थी। इसके बावजूद देश के नेतृत्व ने यह समझ लिया था कि आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए विज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। मौलिक अनुसंधान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और औद्योगिक विकास के लिए संस्थानों की स्थापना की गई, जिन्होंने भारत के वैज्ञानिक ढाँचे की मजबूत नींव रखी।

भारत की वैज्ञानिक यात्रा का सबसे शानदार अध्याय अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत करने वाले भारत ने उपग्रहों के निर्माण और प्रक्षेपण, चंद्रमा और मंगल की खोज तथा उन्नत अंतरिक्ष तकनीकों के विकास की क्षमता हासिल की। भारत के चंद्र मिशनों ने चंद्रमा के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाया, जबकि मंगल मिशन ने यह साबित किया कि सुनियोजित प्रयास और सीमित संसाधनों के बावजूद महत्वाकांक्षी वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। इन उपलब्धियों ने लाखों युवा भारतीयों को विज्ञान और इंजीनियरिंग की ओर नए आत्मविश्वास के साथ देखने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने कृषि के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हरित क्रांति ने भारत के खाद्य उत्पादन में बड़ा परिवर्तन किया और देश को खाद्यान्न आयात पर निर्भरता से अधिक खाद्य सुरक्षा की ओर बढ़ने में मदद की। इसके बाद कृषि अनुसंधान ने सूखा-रोधी फसलों, उन्नत किस्मों, जैव प्रौद्योगिकी, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-अनुकूल खेती जैसे क्षेत्रों में प्रगति की। आज चुनौती केवल अधिक भोजन पैदा करना नहीं है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हुए पौष्टिक और टिकाऊ खाद्य उत्पादन करना भी है।

स्वास्थ्य क्षेत्र वैज्ञानिक प्रगति का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत ने एक विशाल औषधि उद्योग विकसित किया है और किफायती दवाओं तथा टीकों के एक महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। भारतीय शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने रोग नियंत्रण, निदान, जैव प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में योगदान दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश के अनुभव ने वैज्ञानिक अनुसंधान, वैक्सीन विकास, उत्पादन क्षमता और स्वास्थ्य ढाँचे के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया।

सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति शायद भारत के सबसे दिखाई देने वाले परिवर्तनों में से एक है। कुछ दशक पहले अपेक्षाकृत छोटे तकनीकी क्षेत्र से शुरुआत करने वाला भारत आज सॉफ्टवेयर, डिजिटल सेवाओं, दूरसंचार और तकनीकी नवाचार का एक महत्वपूर्ण वैश्विक केंद्र बन चुका है। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के विकास ने यह भी दिखाया है कि तकनीक का उपयोग बड़े पैमाने पर सेवाओं, डिजिटल भुगतान, पहचान और संचार तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

भारत की वैज्ञानिक कहानी में परमाणु ऊर्जा, पदार्थ विज्ञान, इंजीनियरिंग, औषधि उद्योग, आनुवंशिकी, पर्यावरण विज्ञान और नवीकरणीय ऊर्जा भी शामिल हैं। भारतीय संस्थानों ने मौलिक अनुसंधान के साथ-साथ ऐसी तकनीकों के विकास में भी योगदान दिया है, जो आम लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करती हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, उन्नत विनिर्माण और स्वच्छ तकनीकों का विस्तार दर्शाता है कि आधुनिक चुनौतियों से निपटने में विज्ञान की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

इन आठ दशकों की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद कोई एक खोज या तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि देश में वैज्ञानिक संस्कृति का विकास है। विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, आईआईटी, मेडिकल कॉलेजों और अन्य अनेक संस्थानों ने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, डॉक्टरों और शोधकर्ताओं की कई पीढ़ियाँ तैयार की हैं। देश के भीतर और विदेशों में कार्य कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने वैश्विक विज्ञान में भारत के योगदान को मजबूत किया है।

लेकिन वैज्ञानिक प्रगति के 80 वर्षों का उत्सव हमें यह सोचने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए कि अगला कदम क्या होगा। भारत जलवायु परिवर्तन, जल संकट, प्रदूषण, उभरती बीमारियों, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों, जैव विविधता में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े नैतिक प्रश्नों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए केवल अधिक अनुसंधान ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिकों, शिक्षकों, उद्योग, नीति-निर्माताओं और समाज के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है। भारतीय विज्ञान का भविष्य अंततः युवाओं पर निर्भर करेगा। वैज्ञानिक जिज्ञासा को बचपन से ही प्रोत्साहित करना होगा। विद्यार्थियों को केवल परीक्षाओं के लिए जानकारी याद करने के बजाय प्रयोग करने, प्रश्न पूछने, निरीक्षण करने, कुछ नया बनाने और खोज करने के अवसर मिलने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मजबूत अनुसंधान संस्कृति, बेहतर प्रयोगशालाओं और वास्तविक जीवन की वैज्ञानिक समस्याओं से परिचय की आवश्यकता है।

भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैज्ञानिक प्रगति समावेशी हो। तकनीक और अनुसंधान के लाभ ग्रामीण समुदायों, किसानों, महिलाओं, बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचने चाहिए। नवाचार तभी सार्थक बनता है जब वह आम नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। भारत जब स्वतंत्रता के 81वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उसकी वैज्ञानिक यात्रा हमें एक महत्वपूर्ण सबक देती है- राष्ट्र केवल अपने प्राकृतिक संसाधनों या आर्थिक संपदा से मजबूत नहीं होते, बल्कि ज्ञान उत्पन्न करने और उस ज्ञान को समस्याओं के समाधान में बदलने की क्षमता से भी मजबूत होते हैं। प्रयोगशालाओं से खेतों तक, अस्पतालों से उपग्रहों तक, कक्षाओं से डिजिटल नेटवर्क तक—विज्ञान ने पिछले आठ दशकों में भारत के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीमित वैज्ञानिक क्षमता से वैश्विक तकनीकी महत्वाकांक्षा तक की यह यात्रा दृढ़ संकल्प, कल्पनाशीलता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कहानी है।

विश्व आदिवासी दिवस पर फूलबाग से निकला चल समारोह, अंचलभर से शामिल हुए उरांव सहित अन्य आदिवासी समाज के लोग

पारंपरिक वेशभूषा में धनुष-बाण थामे निकले आदिवासी, लोकगीतों पर थिरके युवक-युवतियां

ग्वालियर जीएनएस

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को फूलबाग मैदान से आदिवासी समाज का चल समारोह निकाला गया। अंचलभर से पहुंचे उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में धनुष-बाण थामे शामिल हुए। वनांचल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन और लोकगीतों के बीच युवक-युवतियां नृत्य करते हुए आगे बढ़े। समारोह में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और समाज की एकजुटता की झलक दिखाई दी।

उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज संगठन समिति तथा उरांव आदिवासी समाज संगठन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चल समारोह फूलबाग मैदान से शुरू हुआ। यहां से रेलवे स्टेशन, गांधी रोड और थाटीपुर होते हुए अजाक्स कार्यालय पहुंचा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने चल समारोह का स्वागत किया। युवाओं ने डीजे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य किया। इस दौरान धनुष पर तीर साधने का प्रदर्शन भी किया गया।

समिति के सचिव रामेश्वर राम पटेल ने बताया कि पूरे चल समारोह के दौरान युवक-युवतियां पारंपरिक लोकगीत गाते हुए आगे बढ़े। इसके बाद अजाक्स कार्यालय में मुख्य समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि बानेश्वर राम भगत, विशिष्ट अतिथि विपिन टोप्पो, नीलकमल लकड़ा, प्रदेश संयोजक विनोद बड़ा, अध्यक्ष जगपति भगत, जुनास एक्का, सचिव रामेश्वर राम पटेल, सुरेंद्र भगत, कोषाध्यक्ष जतरूराम भगत एवं जेम्स टोप्पो ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

संस्कृति संरक्षण के साथ शिक्षा पर जोर : मुख्य अतिथि बानेश्वर राम भगत ने कहा कि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने के साथ पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। रामेश्वर राम पटेल ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज की पहचान, संस्कृति, परंपरा, अधिकार और सम्मान की रक्षा का संकल्प लेने का दिन है।

विशिष्ट अतिथि विपिन टोप्पो ने कहा कि युवा पीढ़ी आधुनिक शिक्षा, तकनीक और रोजगार के अवसरों का लाभ उठाए, लेकिन अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को भी संरक्षित रखे। नीलकमल लकड़ा ने कहा कि समाज की प्रगति का आधार शिक्षा, एकता और सामाजिक जागरूकता है। इसके बाद अंचलभर से आई विभिन्न टोलियों ने आदिवासी लोक संस्कृति से जुड़े नृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा में युवक-युवतियों की प्रस्तुतियों से माहौल उत्सवमय हो गया।

कार्यक्रम के अंत में रामेश्वर राम पटेल ने समाजबंधुओं को शिक्षा, रोजगार, सामाजिक समानता, संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता, महिलाओं एवं युवाओं के सशक्तीकरण और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज के लोग मौजूद रहे।

सावन मेले में एकल नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण की ओर से आयोजित सावन मेले में एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को एकल नृत्य की वेस्टर्न श्रेणी की प्रतियोगिता आयोजित हुई। बच्चों ने मंच पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की तालियां बटोरीं।

संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि एकल नृत्य प्रतियोगिता में तीन आयु वर्ग बनाए गए थे। वर्ग 'ए' में 5 से 8 वर्ष, वर्ग 'बी' में 9 से 14 वर्ष तथा वर्ग 'सी' में बड़े बच्चों को शामिल किया गया। इसी दिन जूनियर और सीनियर वर्ग में युगल नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन रहे। उन्होंने कहा कि सावन मेले में इस तरह का आयोजन पहली बार किया जा रहा है और भविष्य में भी ग्वालियरवासियों के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अतिथियों का स्वागत अशोक जैन, मुकेश गुप्ता एवं धीरज गोयल ने किया।

आज होंगी कई प्रतियोगिताएं

आयोजकों के अनुसार 10 अगस्त को एकल नृत्य, युगल नृत्य, शास्त्रीय एवं अर्धशास्त्रीय नृत्य तथा समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समूह नृत्य में वेस्टर्न और शास्त्रीय श्रेणियां रखी गई हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 12 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए मौके पर ही पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। संस्था अध्यक्ष संजय कट्ठल, अशोक जैन, धीरज गोयल एवं राजेश त्रिपाठी ने बच्चों, युवाओं और अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और सावन मेले का आनंद लेने की अपील की है।

सेवा गतिविधियों और आगामी सामाजिक प्रकल्पों की रूपरेखा पर हुई चर्चा

लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की तृतीय बोर्ड बैठक आयोजित

ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की तृतीय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स बैठक रविवार को लायंस विश्रांति गृह, कैंसर हॉस्पिटल में आयोजित हुई। बैठक में क्लब के पदाधिकारियों, पूर्व अध्यक्षों, एडवाइजरी कमेटी के सदस्यों एवं लायन साथियों ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता एमजेएफ लायन सतेंद्र गुप्ता ने लायनवाद, सेवा भावना और क्लब की गतिविधियों को प्रभावी बनाने के संबंध में विचार रखे। विशिष्ट अतिथि एवं मेजबान डॉ. बीआर श्रीवास्तव ने क्लब की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए सदस्यों को समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

बैठक में क्लब की आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया गया कि जल्द ही स्वास्थ्य जांच शिविर और नए सदस्यों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से नए सदस्यों को क्लब के उद्देश्यों, सेवा भावना और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी।

जरूरतमंद मरीजों को भोजन वितरण : बैठक में 'प्रभुजन सेवा' के तहत 1000 बिस्तरों वाले आश्रय भवन में उपचार के लिए आने वाले जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन वितरण की सेवा जारी रखने पर भी चर्चा हुई। इस सेवा कार्य में क्लब के सदस्य स्वयं सहभागिता करते हैं। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता के साथ अधिक से अधिक सदस्यों को समाजसेवा से जोड़ना है।

क्लब अध्यक्ष लायन नरेंद्र अग्रवाल एवं मानसेवी सचिव लायन पुनीत अग्रवाल ने कहा कि क्लब 'हम सेवा करते हैं' की भावना के साथ मानव सेवा और जनकल्याण के कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखेगा।

बैठक में पीडीजी एमजेएफ लायन जीएल भोजवानी, पीडीजी एमजेएफ लायन सुनील गोयल, लायन अनुपम तिवारी, संदीप जैन, संदीप अग्रवाल, अंकित माहेश्वरी, केशव वैश्य सहित पूर्व अध्यक्ष, एडवाइजरी कमेटी के सदस्य, कोषाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारी एवं क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद ग्वालियर महानगर समन्वय ने अजयपुर में चलाया अभियान, कुल 600 पौधे लगाने का लक्ष्य

पौधरोपण अभियान के दूसरे चरण में रोपे 145 पौधे

ग्वालियर जीएनएस

भारत विकास परिषद ग्वालियर महानगर समन्वय की ओर से शिवपुरी लिंक रोड स्थित अजयपुर में सोमवार को विशाल पौधारोपण अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन किया गया। अभियान के तहत 145 पौधे रोपे गए। परिषद ने कुल 600 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि अभियान के तहत ऑक्सीजन देने वाले, मिट्टी के कटाव को रोकने वाले, भविष्य में छायादार वृक्ष बनने वाले तथा फलदार और फूलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। अभियान के प्रथम चरण में 125 और दूसरे चरण में 145 पौधों का रोपण किया गया। इनमें नीम, पीपल, बरगद, जामुन, गुलमोहर, कचनार, खैर और खमेर सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। शेष दो चरणों का कार्य भी जल्द पूरा करने का लक्ष्य है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समन्वय अध्यक्ष मेघना सिंघल ने की, जबकि संचालन सह समन्वयक सुमित्रा सिकरवार ने किया। मुख्य अतिथि वनमंडल अधिकारी अवधेश कुमार मीणा और विशिष्ट अतिथि उप विभागीय अधिकारी स्वाति पाठक उपस्थित रहे। परिषद की ओर से अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया और परिषद का साहित्य भेंट किया गया।

34 सदस्यों ने लिया पौधारोपण में हिस्सा : अभियान में ग्वालियर स्थित भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत की आठ शाखाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा वन विभाग के सहयोगियों सहित 34 लोगों ने भाग लिया। सदस्य रैली के रूप में पौधे लेकर निर्धारित स्थान पर पहुंचे और पौधारोपण किया। परिषद की ओर से लगाए गए पौधों की भविष्य में देखभाल का भी लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम के बाद स्वल्पाहार की व्यवस्था के लिए शाखा संपर्क और शाखा विवेकानंद के सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत विकास परिषद ग्वालियर महानगर समन्वय से भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की प्रथम राष्ट्रीय कैबिनेट मीटिंग संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, चंबल रीजन एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में वीर जैन छात्रावास, माधव डिस्पेंसरी के सामने, ग्वालियर में प्रथम राष्ट्रीय कैबिनेट मीटिंग एवं मानसून कार्निवाल का भव्य आयोजन किया गया। देश के लगभग 50 शहरों से 250 सदस्यों ने सहभागिता कर संगठन की गतिविधियों, विस्तार एवं आगामी योजनाओं पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का मंच संचालन आदित्यमणि जैन एवं डॉक्टर विकास जैन द्वारा किया गया मानवीय एवं धार्मिक गतिविधियों पर रहेगा विशेष फोकस कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल सामाजिक मिलन तक सीमित न रहकर समाजसेवा, शिक्षा, धार्मिक गतिविधियों, मानव सेवा और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना है। संस्था के डाटा को ऑनलाइन करने से देशभर के सदस्यों एवं ग्रुपों के बीच बेहतर संपर्क और समन्वय स्थापित होगा।

ग्वालियर में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय कैबिनेट मीटिंग को संगठन के विस्तार और नई कार्ययोजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया। कार्यक्रम के दौरान समाज एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15

समाजसेवियों को ÷वीर योद्धा सम्मान÷ से सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया।

मंचासीन अतिथि एवं सहयोगी

कार्यक्रम में मुकेश बाकलीवाल ङ्क भोजनशाला उद्घाटन, मुल्कराज बादशाह ङ्क मंडप उद्घाटन, अम्बरीश जैन ङ्क किट प्रदाता, संजय जैन परिवार ङ्क गिफ्ट प्रदाता, संजय आर्नामेंट्स, पंकज जैन ङ्क सुर-संधि मुख्य प्रायोजक एवं गिफ्ट प्रदाता, अभ्यास कोचिंग, बीआईएमआर हॉस्पिटल ग्वालियर के प्रतिनिधि, आशीष जैन ङ्क अध्यक्ष, ग्रेटर ग्वालियर एवं अमित भंडारी ङ्क सचिव, ग्रेटर ग्वालियर सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर्ता

सम्यक ज्ञान ध्वजारोहण सौरभ जैन ङ्क बरसात चाय परिवार, सम्यक चारित्र ध्वजारोहण आकाश जैन ङ्क जैना ज्वेलर्स, ग्वालियर, मुख्य ध्वजा एवं सम्यक दर्शन राजकुमार जैन ङ्क उमेश जैन कांटे वाला परिवार द्वारा किया गया। मुख्य दीप प्रज्ज्वलन रविंद्र जैन ङ्क कोषाध्यक्ष द्वारा किया गया, जबकि दीप प्रज्ज्वलन अभिनंदन प्रियंका जैन ङ्क जैनसन सबमर्सिबल पंप एवं अभिषेक जैन ने किया।

रीजन एवं ग्रेटर ग्वालियर के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम में एड. आशीष जैन ङ्क रीजन सचिव, अनुपम चौधरी जैन ङ्क चंबल रीजन अध्यक्ष, पारस जैन ङ्क मुख्य समन्वयक, एवं अनिल शाह ङ्क मुख्य संयोजक, रेशम तारा बैंक्वेट, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के कोषाध्यक्ष रुपेश जैन, पूर्व अध्यक्ष संजय चौधरी, मुकेश जैन, आशीष जैन, एडवोकेट, शीतल जैन, अमरीश जैन, रश्मि जैन, ग्वालियर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पोरसा में अस्पताल की मांग को लेकर कांग्रेस 12 को देगी ज्ञापन

पोरसा, जीएनएस। नगर में अस्पताल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से 12 अगस्त को मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार पोरसा को ज्ञापन सौंपा जाएगा। नगर कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद हिंडोलिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तहसील कार्यालय पहुंचकर पोरसा नगर पालिका क्षेत्र में अस्पताल खोलने की मांग रखेंगे।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद हिंडोलिया ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि पोरसा शहर के 15 वार्डों में करीब 70 हजार की आबादी निवास करती है, लेकिन नगर पालिका क्षेत्र में वर्तमान में लोगों को समुचित अस्पताल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सामान्य बीमारी से लेकर गंभीर स्थिति वाले मरीजों को उपचार के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल नगर सीमा से बाहर होने से बढ़ी परेशानी

कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि पोरसा में जो अस्पताल पहले लोगों के लिए उपचार का प्रमुख केंद्र था, वह अब ग्राम पंचायत दोहरोटा की सीमा में चला गया है। अस्पताल दोहरोटा पंचायत की सीमा में होने के कारण भिंड जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी उपचार की सुविधा मिल रही है, लेकिन पोरसा शहर और उससे लगे अनेक गांवों के लोगों के लिए अस्पताल की समस्या अभी भी बनी हुई है।

उनका कहना है कि पोरसा नगर की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर जाना पड़ता है। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए मरीज को दूसरे शहर या कस्बे में ले जाना अतिरिक्त खर्च और परेशानी का कारण बनता है। कई बार आपात स्थिति में समय पर उपचार नहीं मिल पाने की समस्या भी सामने आती है।

इन गांवों के लोगों को भी मिलेगी राहत

पोरसा में अस्पताल की मांग केवल नगर के 15 वार्डों तक सीमित नहीं है। नगर से लगे कोथर कला, कोथर खुर्द, तरसमा, बुधारा, खेरिया, किर्रायच, लेपा, भिडौसा, संगोली, तरेनी, मानपुर, धर्मगढ़ सहित आसपास के सैकड़ों गांवों के लोग भी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पोरसा पर निर्भर रहते हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि पोरसा नगर पालिका क्षेत्र में अस्पताल की स्थापना होती है तो नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। विशेष रूप से गरीब, मजदूर, किसान और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

धूमधाम से मनाया हरियाली तीज सावन महोत्सव

मैहर। वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई मैहर के तत्वावधान में यश पैलेस मैहर में हरियाली तीज सावन महोत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई जिला अध्यक्ष डॉली मनोज गुप्ता ने की। आयोजन में बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सावन के रंग में रंगी नजर आईं।

कार्यक्रम में महिलाओं ने हरे परिधानों, हरी चूड़ियों एवं आकर्षक श्रृंगार के साथ डांस, नृत्य एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। पूरे आयोजन में सावन के गीतों और उल्लास का माहौल रहा। हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष गीता सोनी रहीं। इस अवसर पर शिवानी अग्रवाल सहित वैश्य महासम्मेलन की अनेक बहनें उपस्थित रहीं। महिला इकाई की अध्यक्ष डॉली मनोज गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की सभी बहनें एक परिवार की तरह हैं और सभी के सहयोग एवं प्रेम से ही ऐसे आयोजन सफल होते हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की पूरी कार्यकारिणी उनकी ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

ये रहीं प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य

कार्यक्रम में संरक्षक सरिता गुप्ता, अध्यक्ष डॉली मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष सीमा अग्रवाल, सलाहकार ई. मीना अग्रवाल, सचिव एकता अग्रवाल, सहसचिव रितु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनीता सोनी, सह-कोषाध्यक्ष पूनम सोनी, सांस्कृतिक प्रभारी विनीता अग्रवाल, सह-सांस्कृतिक प्रभारी स्मृति गुप्ता, मीडिया प्रभारी सोनम चौरसिया, सह-मीडिया प्रभारी वृष्टि सोनी, अभिलाषा गुप्ता, संगीता अग्रवाल, भाजपा पूर्व महिला अध्यक्ष रेखा गोयल, लक्ष्मी चतुर्वेदी, किरण अग्रवाल, निशा अग्रवाल, संध्या रानी वर्मा, शशि सोनी, पुष्पा बड़ोलिया, रीना राय, सरोज सिंह, क्षमा अग्रवाल एवं सीता अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

डॉ. मोहन यादव अंकल! हमारी सड़क ठीक करवा दो, स्कूल जाने में होती है दिक्कत – 8 साल की अनुष्का तोमर ने लगाई गुहार

ग्वालियर। ग्वालियर की रहने वाली 8 वर्षीय बच्ची अनुष्का तोमर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अपने क्षेत्र की जर्जर सड़क को तुरंत दुरुस्त करवाने की भावुक अपील की है। अनुष्का का कहना है कि सड़क की खस्ताहाल हालत के कारण उसे और उसके साथ स्कूल जाने वाले अन्य छोटे-छोटे बच्चों को रोजाना भारी परेशानियों और हादसों के डर का सामना करना पड़ता है। मासूम अनुष्का की इस बेबाक और सीधी अपील का वीडियो सामने आने के बाद अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री कार्यालय इस पर कितनी जल्द संज्ञान लेता है।सड़क पर गड्ढों और बदहाली की वजह से बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की इस जायज मांग पर क्या एक्शन लेगा प्रशासन?

राजस्थान पुलिस टीम को आरोपी अभियुक्त न मिलने पर वैरंग वापस लौटी

जालौन, जीएनएस। प्रांत राजस्थान में पूर्व दिनों में लगभग 20 लख रुपए की हुई चोरी की घटना को लेकर प्रांत की पुलिस टीम ने प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के सर्वाधिक सहयोग एवं पुलिस बल के साथ शनिवार की रात प्रांत में चोरी घटना एक आरोपी अभियुक्त के नगर निज निवास में तथा कई संदिग्ध जगहो पर ताबड़तोड़ दबिश देकर गिरफ्तारी अभियान चलाया वहीं पर आरोपी हत्थे नहीं चड सका अभियुक्त न मिलने पर राजस्थान पुलिस टीम वापस हुई।

रोट्रेक्ट क्लब चम्बल की हुई लॉन्चिंग, 30 रोटरेक्टर ने ली मंच पर शपथ

रोटरी क्लब चम्बल के नवीन सत्र 2026-27 की नवीन कार्यकारणी का शपथ एवं दायित्व ग्रहण समारोह 9 अगस्त रविवार को बानमोर स्थित होटल शुभहिम रेसोर्ट में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली प्रदेश की महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में ग्वालियर डिवीज़न डीआईजी डॉ असित यादव, सम्मानित अतिथि के रूप में पीडीजी रोटेरियन भपेंद्र जैन, डीजी रोटेरियन बृजमोहन अग्रवाल, एमपीसीसीआई ग्वालियर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सह प्रान्तपाल रोटेरियन प्रकाश अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमपी रोटेरियन आनंद गुप्ता उपस्थित रहे, कार्यक्रम में सर्प्रथम पधारें हुए मंचासीन अतिथियों ने रोटरी के जनक पॉल हैरिस की तस्वीर, गणेश भगवान एवं माँ सरस्वती जी की मूर्ति पर माल्यर्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया, कार्यक्रम में शानदार गणेश वंदना डांस ग्रुप द्वारा दी गई । कार्यक्रम में स्वागत भाषण क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष अभय परमार ने दिया, गतबर्ष के क्रियाकलापों का विवरण निवर्तमान कोषाध्यक्ष अनूप सिंघल ने सदन के समक्ष रखा एवं रोटरी फॉर वे टेस्ट का वाचन रोटेरियन दिलीप गांगिल ने किया, शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नवीन अध्यक्ष करतार सिंह राजपूत, नवीन सचिव मयंक श्रीवास्तव एवं उनकी पूरी टीम को शपथ ग्रहण अधिकारी डीजी रोटेरियन बृजमोहन अग्रवाल द्वारा शपथ दिलाई गई । नवीन सदस्यों को शपथ इंडक्शन ऑफिसर रोटेरियन सीए प्रकाश अग्रवाल द्वारा शपथ कराई गई । शपथ के उपरांत नवीन अध्यक्ष करतार सिंह राजपूत ने रोटरी क्लब चम्बल के अध्यक्ष बनने की सहमति सदन को दी और अपने कार्यकाल में किये जाने वाले कार्यो की रूपरेखा सदन के समक्ष प्रस्तुत की । अध्यक्ष का परिचय सदन को एलईडी के माध्यम से अवगत करवाया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती लता गुप्ता का परिचय मंच संचालन कर रही श्रीमती शिल्पी जैन एवं श्री बिजेंद्र गुप्ता ने दिया । कार्यक्रम में मुरैना के 2 होनहार विद्यार्थी जिन्होंने नीट परीक्षा 2026 में क्वालिफाइड होकर मुरैना का नाम रोशन किया एवं सेवा के कार्यो में समर्पित 5 रोटरी क्लब चम्बल के सदस्यो को मुख्य अतिथि द्वारा चम्बल गौरव सम्मान देकर सम्मानित किया गया, जिसमें परी बंसल, कृष्णा गुप्ता, गिर्राज शर्मा, प्रमोद उपाध्याय, सिद्दार्थ अग्रवाल, रमन अग्रवाल, ताराचंद्र शिवहरे का सम्मान किया गया ।

रोटेरियन गिर्राज शर्मा द्वारा रोटरी द्वारा विश्वभर में चलाए जा रहे सेवा कार्यों के लिए द रोटरी फॉउंडेशन में सहयोग करते हुए 1000 डॉलर का चेक डीजी ब्रजमोहन जी को सौपा । रोट्रेक्ट क्लब चम्बल का हुआ आगाज 30 युवाओं ने ली शपथ, आकांक्षा सिकरवार बनी अध्यक्ष, मोनिका शिवहरे को मिला सचिव का दायित्व एवं सिमरन राजपूत को मिली कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी ।कार्यक्रम में क्लब फाउंडर एवं डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमपी रोटेरियन आनंद गुप्ता ने अपने उध्बोधन में कहा कि रोटरी क्लब चम्बल युवाओ का जोशीला क्लब है जिसमे समाज सेवा एवं मानवसेवा के लिए ऊर्जा का सदैव संचार रहता है, आनंद गुप्ता ने कहा की रोटरी क्लब चम्बल रूपी वो पौधा है जिसकी नीव 2018 में आदरणीय स्व. सीताराम गर्ग ने रखी थी वो आज वट वृक्ष बन चुका है । सह प्रान्तपाल प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब चम्बल कोई भी बड़ा प्रोजेक्ट करें डिस्ट्रिक्ट से पूरा सहयोग मिलेगा । विशिष्ट अतिथि श्री प्रवीण अग्रवाल ने रोटरी क्लब चम्बल की युवा टीम की प्रशंसा की और बधाईया दी, रोटरी क्लब चम्बल इसी तरह से समाज में कार्य करे हमारा पूरा सहयोग मिलेगा, साथ ही साथ उन्होंने रोटरी की मानक सदस्यता भी ली रोटरी की टीम को सेवा कार्यों को अनवरत जारी रखने हेतु बधाई और शुभकामनाएं दी।

सैनिक की अभिलाषा, सदा विजय पताका लहराऐ या लिपट तिरंगे में आए

शिवपुरी, जीएनएस। इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन ने शहीद तात्या टोपे ग्राउंड पर ÷हर घर तिरंगा और वंदे मातरम,, का आगाज किया । इस देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम में इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व सैनिकों ने नेशन फर्स्ट की भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि 17 अगस्त तक पूरे देश में राष्ट्रभक्ति का वातावरण बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। शिवपुरी जिला एक सैनिक बाहुल्य क्षेत्र है। यहां के असंख्य सैनिक देश सेवा में लगे हुए हैं। हर वार्ड, मोहल्ले, गांव में ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान के तहत हमारे संगठन के सदस्य सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। हमारे संगठन का उद्देश्य देश के युवाओं में राष्ट्रभक्ति, देश- सेवा, राष्ट्र के प्रति समर्पण, राष्ट्र प्रथम की भावना का संचार करना है। युवाओं को सेना की ओर आकर्षित करना है।

इस अवसर पर इन्डियन वेटरन्स संगठन के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा ने सभी पूर्व सैनिकों और देशवासियों से आवाहन किया कि हर नागरिक अपना कर्तव्य निभाऐं।तिरंगे की आन, बान, शान के लिए हमारे जवान बलिदान देते रहते है। हम सभी शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते है। अगर हम शहीदों को याद करेंगे तो हम सदैव राष्ट्र के लिए त्याग और बलिदान के लिए तैयार रहेंगे।

इस अवसर पर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती प्रभा शर्मा, युवा अध्यक्ष तरुण शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष विशाल जोशी, पिछोर तहसील अध्यक्ष राम प्रकाश केवट, करेरा तहसील अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, सूबेदार द्वारिका प्रसाद रावत, उपाध्यक्ष गीता पवार, कोऑर्डिनेटर बृजेश राठौर, वेटरन कैलाश सिंह जादौन, वेटरन हरगोविंद ओझा, वेटरन ताज भान सिंह परमार, शिवपुरी तहसील महासचिव मनोज दीक्षित, जिला महासचिव प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे। संचालक कैलाश सिंह जादौन ने किया। महेंद्र सिंह रावत ने आभार व्यक्त किया।

20 साल की सेवा का मिलेगा सामाजिक सुरक्षा कवच

आगरा, जीएनएस। नगर निगम में वर्षों से शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ बने संविदा सफाई कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा की दिशा में बड़ी पहल सामने आई है।

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी ने सामाजिक सुरक्षा कवच के विषय में बताया कि करीब दो दशक से निरंतर सेवा दे रहे संविदा सफाई कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (श्रक्क्रह्र) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (श्रस्ढ्ढष्ट) की सुविधाओं से वंचित रखे जाने का मुद्दा अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। यह पहल यदि नियमानुसार शीघ्र लागू होती है तो वर्षों से सामाजिक सुरक्षा की प्रतीक्षा कर रहे संविदा सफाई कर्मचारियों के लिए यह केवल वेतन से होने वाली कटौती नहीं, बल्कि उनके श्रम, सम्मान और भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

उन्होंने आगे कहा कि अब मेहनत के साथ भविष्य भी सुरक्षित होगा। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य महोदय ने संविदा सफाई कर्मचारियों को इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने के संबंध में सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की है। संविदा सफाई कर्मचारियों को श्रक्क्रह्र और श्रस्ढ्ढष्ट का लाभ दिलाए जाने के लिए हाल ही में नगर आयुक्त महोदय के समक्ष पूरे मामले और कर्मचारियों की परिस्थितियों को विस्तार से रखा गया। नगर आयुक्त महोदय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विचार-विमर्श के बाद नियमानुसार संविदा सफाई कर्मचारियों के वेतन से श्रक्क्र और श्रस्ढ्ढ की कटौती कराए जाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी।

इस बैठक में मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी बृजेश सिंह, सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम, सुंदर बाबू चंचल और हरीबाबू वाल्मीकि मौजूद रहे।

विनोद इलाहाबादी का कहना है कि वर्षों तक नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद उन्हें भविष्य निधि और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे मूलभूत सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिल सके। मजदूरों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित इन व्यवस्थाओं का लाभ लंबे समय से संविदा सफाई कर्मचारियों तक नहीं पहुंच पाना गंभीर चिंता का विषय रहा है। कई कर्मचारियों की मृत्यु के बाद उनके आश्रित परिवारों को भी किसी प्रकार की सहायता का लाभ न मिल पाने से यह पीड़ा और गहरी हुई है। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक निर्णय से उन हजारों सफाई कर्मचारियों और उनके परिवारों में उम्मीद जगी है, जो वर्षों से शहर को स्वच्छ रखने के दायित्व का निर्वहन करते आ रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा की यह पहल न केवल कर्मचारियों के भविष्य को आर्थिक संबल प्रदान करेगी, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार करेगी।

श्री इलाहाबादी के कहा कि सफाईकर्मियों के सम्मान और अधिकार की दिशा में यह अहम एवं सराहनीय कदम हैं। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर गतिमान रखने वाले सफाई कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार मिलना उनके श्रम और योगदान के सम्मान से भी जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। श्रक्क्र और श्रस्ढ्ढ की सुविधा सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सहारा, बीमारी के समय स्वास्थ्य सुरक्षा तथा परिवार के लिए कठिन परिस्थितियों में सुरक्षा कवच का काम करेगी।

एक शाम राष्ट्र के नाम का सांस्कृतिक आयोजन 13 को

ग्वालियर, जीएनएस। एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसाइटी एवम् संरचना समिति के के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित प्रत्येक बर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के दो दिन पूर्व संध्या पर ग्वालियर की एक शाम राष्ट्र के नाम का देशभक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक आयोजन 13 अगस्त को शाम 5 बजे से इंदरगंज चौराहे पर किया जाएगा इस आयोजन की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि इस देशभक्त के सांस्कृतिक आयोजन में प्रतिभागी को देश भक्ति गाने पर डांस की प्रस्तुति देनी होगी इसमें प्रतिभागी एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य की प्रस्तुति मंच से दे सकते हैं। इस आयोजन में एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया की इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने हेतु एक आयोजन समिति बनाई गई है इसमें संयोजक अवध धाकरे दीपक अग्रवाल सह संयोजक मनोज अग्रवाल बाबा धीरज गोयल, अशोक जैन रहेंगे इस देशभक्ति के आयोजन के दौरान सम्पूर्ण इंदरगंज चौराहे को तिरंगा थीम पर सजाया गया है देशभक्ति के इस सांस्कृतिक आयोजन में जो भी भाग लेना चाहते हैं वो अपनी प्रस्तुति अच्छे से तैयार कर लें और गाने के साथ ही अपना नाम रजिस्ट्रेशन कराएं इस आयोजन में प्रतिभागी को सम्पूर्ण ड्रेस अप में मंच से प्रर्दशन करना होगा और अपने अपने देशभक्ति गीतों की पेनड्राइव साथ में लाना होगा इस आयोजन में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन अलोहा अबेकस सेंटर पटेल नगर सिटी सेंटर , सम्पर्क कर सकते हैं इस आयोजन में मुख्य अतिथि श्री शिवम् रानू राजावत जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा अधिक जानकारी के लिए संजय कट्ठल अध्यक्ष एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसाइटी 9302093300 पर अशोक जैन 8889219871 राजेश त्रिपाठी 9926455881 पर सम्पर्क कर सकते हैं आयोजन समिति के दीपक अग्रवाल मनोज अग्रवाल बाबा ने बताया आयोजन पूर्णतःदेश भक्ति थीम पर रखा गया है और जो भी प्रतिभागी भाग ले रहे हैं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवम् स्मृति चिन्ह प्रदान किए जायेंगे।

गीता सिसोदिया श्रेष्ठ अभिनय से सिने जगत में नाम रोशन किया

ग्वालियर, जीएनएस। रंगमंच पर श्रेष्ठ अभिनय करने के उपरांत फिल्मकारों के सम्पर्क में आई भिंड जिले के पोरसा में सन् 1988 मे जन्मी गीता सिसोदिया ने बचपन से गीत-संगीत, स्कूल की बाल सभाओं, इसके उपरांत महाविद्यालय के मंच पर अपने अभिनय किया और नाम रोशन किया।

इनका विवाह संभ्रांत परिवार में हुआ,यह परिवार सहित ग्वालियर में निवास करने लगी,घर परिवार के दायित्व निभाते हुए अपने अन्दर की कला-प्रतिभा को निखारने में लगी रही,इनके पति जोकि शिक्षक है, इन्होंने इनकी कला के प्रति

अपार रूचि को देखा,इनके पति ,दो बच्चों ने इनका अपार समर्थन एवं सहयोग किया. ग्वालियर के कलाकारों के सम्पर्क में यह आई,यही से इन्होंने अभिनय के क्षेत्र में मुकाम हासिल करने की ठान ली। सन् 2009मे ग्वालियर और भोपाल में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित नाटक बांधों मुट्ठी बहना,*अगरबत्ती में अभिनय किया इसमें इनकी बहुत तारीफ हुई और सम्मान भी मिला इसके उपरांत प्रख्यात रंगकर्मी, फिल्मकार आमिर खान के निर्देशन में आधा सैकड़ा से अधिक नुक्कड़ नाटकों में अभिनय किया, रंगकर्मी, फिल्मकार विशाल बाथम के सम्पर्क में आने के उपरांत इन्हें ग्वालियर में शूट हो रही फीचर फिल्म वध में प्रख्यात फिल्म अभिनेता संजय मिश्रा, प्रख्यात फिल्म अभिनेत्री नीना गुप्ता के पड़ोसन का महत्वपूर्ण किरदार निभाने का अवसर मिला, इस फिल्म में किए गये श्रेष्ठ अभिनय से इनकी तारीफ़ से हौंसला बड़ा,फीचर फिल्म *लाकेट,करमचंद,इंडियन -2, बाबर आप बदरपुर,*लव मैरिज अरेंज मैरिज,टी. वी. शो-अपराध ए साजिश,वेब सीरीज -सी. सी. आई, बेरोजगार बैंड, सहित शाट मूवी देवता, एक सपना ऐसा भी, आत्म शांति सहित एक दर्जन से भी अधिक शाट मूवी में अभिनय किया है वर्तमान में यह दो फीचर फिल्म एवं एक वेब सीरीज में अभिनय के लिए साइन हुई है। एक विशेष बात इनके विषय में लिखना ज़रूरी है , गीता सिसोदिया ने ग्वालियर, दतिया, झांसी, शिवपुरी, मुरैना, भिंड में निर्माणाधीन फिल्मों में ही अभिनय किया है।

राम भक्तों के ऐसे स्वागत उनका मनोबल बढ़ाते हैं

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर में तिघरा रोड माधव नगर गोल पहाड़िया क्षेत्र में निकलने वाली नियमित और प्रतिदिन संगीतमय प्रभात फेरी का आज ललित सिंह तोमर(हैप्पी भैया) जो सामाजिक कार्यकर्ता है बहुत ही भव्यतम स्वागत किया गया ललित तोमर ने प्रभात फेरी की मात्र शक्तियों बच्चों एवं सभी राम भक्तों का शानदार स्वागत किया इसके लिए उन्होंने अपने दूर रहने वाले रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों को सहयोग के लिए बुलवाया सभी मातृ शक्तियों एवं सभी रामभक्तों को पुष्प

हार और बच्चों को पुष्प हार पहनाकर सभी पर पुष्प वर्षा की गई एवं सभी को एक पैकेट जो पूरी तरह से संपूर्ण प्रसाद के रूप में सामग्री से भरा था, प्रभात फेरी के सभी राम भक्तों को लिए उनके स्वागत में दिया गया,ललित तोमर ने अपने दिल्ली से महेश सिंह चौहान, आगरा से अविनाश सिंह राघव एवं फर्रुखाबाद से उदयराज सिंह चौहान एवं गोल्डी तोमर,अशोक रजक के साथ मिलकर सभी ने भव्य स्वागत किया, इसके बाद ललित सिंह तोमर ने प्रभात फेरी प्रमुख उदयभान रजक का एक 4 किलो फूलों से बने बड़े हार को पहनाया और जोरदार तालियां गूंज पड़ी, सभी राम भक्त भगवान श्री रामचंद्र की जय हो, हनुमान जी महाराज की जय हो,भोले शंकर भगवान की जय हो, सनातन धर्म की जय हो,भारत माता की जय हो-नारे लगाने लगे, सुबह-सुबह जब प्रभात फेरी की संगीतमय धुन जैसे ही कानों में गूंजी वह तैयार खड़े थे स्वागत करने के लिए और उन्होंने सभी राम भक्तों का मनोबल बढ़ाने के लिए बहुत ही शानदार और मन प्रसन्न करने वाला स्वागत किया जिससे सभी राम भक्त सैकड़ो मात्र शक्तियों, बच्चे एवं पुरुष प्रसन्न हो गए इस संजीवनी रूपी राम भक्तों के स्वागत के बाद उदयभान रजक ने कहा कि हैपी भैया जैसे राष्ट्रभक्त-धर्मभक्त जब हम सब प्रभात फेरी के कार्यकर्ताओं का स्वागत कर रहे हैं।

हर घर तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति का संकल्प

आइए, मिलकर राष्ट्रीय ध्वज की शान बढ़ाएं और ऐसा भारत बनाएं, जिस पर हर भारतीय को गर्व हो : उपेंद्र सिंह, वरिष्ठ नेता

आगरा, संजय साग़र सिंह।
स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान को नमन करने का पावन अवसर है। आजादी के इस महापर्व पर देशभर में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन की राष्ट्रभक्ति का उत्सव बनाने का आह्वान करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता उपेंद्र सिंह ने कहा कि आइए, हम सभी मिलकर अपने घरों पर गर्व के साथ तिरंगा फहराएं और राष्ट्रीय ध्वज की आन, बान और शान को और ऊंचा करें।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। उनके त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि देश के प्रति हमारे कर्तव्य क्या हैं और राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

वरिष्ठ नेता उपेंद्र सिंह ने देशवासियों से अपील की कि इस 15 अगस्त को अपने घर पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा बनें और आजादी के महोत्सव को जनभागीदारी का विराट पर्व बनाएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल कपड़े का एक ध्वज नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं, त्याग, एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारत ने विकास की लंबी यात्रा तय की है और आज हमारा देश विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। लेकिन राष्ट्र की वास्तविक उन्नति तभी होगी, जब हम असमानता और चुनौतियों का मिलकर सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि 1947 में देश राजनीतिक गुलामी से आजाद हुआ, लेकिन समाज को संकीर्ण सोच और असमानता जैसी जंजीरों से अभी पूरी तरह मुक्त करना बाकी है। महिलाओं का सम्मान, बुजुर्गों का आदर, प्रत्येक धर्म और समुदाय के प्रति सम्मान तथा हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा ही सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत करेगी।

जाति-भेदभाव की जंजीरें तोड़कर बनाएं नया भारत

श्री सिंह ने देशवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि समाज से जाति, भेदभाव और नफरत की दीवारों को समाप्त करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास करेंगे। एक-दूसरे का सम्मान करेंगे, महिलाओं की गरिमा की रक्षा करेंगे और देश की एकता, अखंडता तथा सामाजिक समरसता को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। आइए, तोड़ दें जाति और भेदभाव की जंजीरें, क्योंकि असली मंजिल पाना अभी बाकी है। कभी कहलाता था भारत सोने की चिड़िया, उस गौरव को फिर से पाना अभी बाकी है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि आजादी अत्यंत मूल्यवान है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। देशभक्ति केवल नारों और आयोजनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने, कानून का सम्मान करने, जरूरतमंदों की सहायता करने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने में दिखाई देनी चाहिए। आखिर में उन्होंने कहा कि हमें अपने देश को और अधिक मजबूत, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। स्वतंत्रता दिवस के सभी आयोजनों का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हर भारतीय अपने कर्तव्य का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से पालन करना चाहिए। जब देश का प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझेगा, तभी उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत साकार होगा, जिन्होंने राष्ट्र की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराएं, हर दिल में देशभक्ति जगाएं और मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लें, जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें।

एनजीओ के नाम पर 66 लाख रुपये की ठगी कर्मचारियों के दस्तावेज लेकर खोला फर्जी नेटवर्क, राघौगढ़ पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

गुना, जीएनएस।
पुलिस अधीक्षक गुना के निर्देशन में जिले के राघौगढ़ थाना क्षेत्र में एनजीओ खोलने और फॉरेन फंडिंग का झांसा देकर एक व्यक्ति से लगभग 66 लाख रुपये की बड़ी ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले की गहन जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धारा 420 भादवि (धोखाधड़ी) के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

किरायेदार ने बनाया ठगी का जाल

थाना राघौगढ़ में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक सीताराम धुर्वे द्वारा दर्ज मामले के अनुसार, पुलिस अधीक्षक कार्यालय गुना से प्राप्त शिकायत आवेदन क्रमांक 204 की जांच के दौरान फरियादी राणा प्रताप सिंह (उम्र 58 वर्ष, निवासी साड़ा कॉलोनी राघौगढ़) और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि आरोपी प्रमोद सिंह (पुत्र जनार्दन सिंह, मूल निवासी ग्राम करजरा अंचल वजीरगंज जिला गया हाल निवासी ग्राम बजारी कला मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश) वर्ष 2022 में राणा प्रताप के मकान में किराये से रहता था। आरोपी प्रमोद सिंह ने राणा प्रताप से कहा कि एससी/एसटी वर्ग के 8 लोगों को मिलाकर एक एनजीओ खोलना है। इसके लिए उसने राणा प्रताप के होटल में काम करने वाले लक्ष्मण बंजारा, फूल सिंह बंजारा, मांगी बाई जाटव, धापू बाई जाटव, दिनेश स्वीपर, दीपक प्रजापति और मुकेश बंजारा के दस्तावेज (पहचान संबंधी दस्तावेज), पैन कार्ड बनवाए, एक्सिस बैंक में खाते खुलवाए और उनके नाम से सिम, चेकबुक व एटीएम हासिल कर लिए। आरोपी ने कर्मचारियों को 5,000 रुपये महीना और सालाना 50,000 रुपये दिलाने का लालच दिया था। एनजीओ चलाने और फॉरेन फंडिंग दिलाने का झांसा देकर आरोपी ने दिनांक 13 अप्रैल 2022 से 1 जुलाई 2024 के बीच राणा प्रताप और उनकी पत्नी कुसुम सिंह से कर्मचारियों के खातों में कुल 45,37,117 रुपये ट्रांसफर करवाए, जिन्हें आरोपी ने खुद निकाल लिया।

कैट के भारतीय व्यापार महोत्सव का उद्घाटन गृहमंत्री अमित शाह करेंगे

ग्वालियर, जीएनएस।
कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेडर्स (कैट) एवं आईटीपीओ (इंडिया ट्रेड प्रमोशन ओर्गनाइजेशन) के संयुक्त तत्वाधान में भारत व्यापार महोत्सव 2026, 12 अगस्त से 15 अगस्त तक भारत मण्डपम नई दिल्ली में आयोजित होगा। इसका शुभारंभ भारत के गृहमंत्री अमित शाह 12 अगस्त को प्रातः 11 बजे करेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय वाणिज्य मत्री पियूष गोयल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैट की सलाहकार स्मृति ईरानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, ग्वालियर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, महामंत्री राम कुमार गोय कोषाध्यक्ष नितिन गोयल ने बताया कि ग्वालियर की महिलाओं एंव अन्य कंपनियों के स्टॉल लगाये जायेंगे साथ ही ग्वालियर चम्बल संभाग से सेंकडों व्यापारी इस मेले में विजिट करेंगे एवं व्यापार की संभावना तलाशने जायेंगे। 13 अगस्त दोपहर 2 बजे कैट मध्यप्रदेश की बेठक भारत मण्डपम नई दिल्ली में होगी जिसमें समूचे मध्यप्रदेश के पदाधिकारी एवं कैट सदस्य उपस्थित रहेंगे।

कैट के मीडिया प्रभारी हिमाशु छापरिया, धनराज सेवानी ने जानकारी देते हुये बताया कि 8 अगस्त को सांय 4 बजे जीवाजी क्लब में उन सभी व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई है जो इस व्यापार मेले में भाग लेने जा रहे हैं। कैट महिला विंग की सदस्यों ने आज प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभिन्न पदों पर आसीन राजनैतिक पदाधिकारियों से संपर्क किया और उन्हें मेले में आने का आमंत्रण प्रदान किया।

दो चोरियों के अभियुक्त चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल अभियुक्त से लाखों रुपए नगदी तथा लाखों रुपए के सोने चांदी जेब रात किये बरामद

जालौन, जीएनएस।
नगर में 6 दिन पूर्व रात को रामगंज मोहल्ले में चोरी घटना तथा माह 7 मार्च समेत दोनों चोरी घटना में प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी कुशल निर्देशन में कालपी पुलिस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लाखों रुपए नगदी तथा लगभग 10 लख रुपए सोने चांदी आभूषण बरामद किए।

रविवार के दिन कोतवाली कालपी के अतिथि गृह में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रभारी निरीक्षक पुलिस टीम की उपस्थिति में पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल ने

पत्रकारों को प्रेस नोट देकर चोरियों का खुलासा करते हुए अवगत कराया कि रामगंज स्थित सरमन सिंह के मकान चोरी की घटना में दर्ज मुकदमे तथा हरीगंज स्थित एक मकान से 7 मार्च को हुई चोरी की घटना दर्ज मुकदमे में पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक तिवारी के कुशल निर्देशन में रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भड़ाना महमूदपुरा चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह चंदेल सिपाही हनीफ शाह महेंद्र कुमार भारती आदि पुलिस बल के साथ अपराधियों को गिरफ्तार करने के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा था वही रविवार को सुबह 5~30 बजे मुखबिर की सूचना मिलती ही मदारीपुर रोड समीप वन विभाग स्थित टावर के पास थाना सिरसा कलार ग्राम पिथऊपुर निवासी शिवम पुत्र बालमुकुंद दुबे गिरफ्तार किया साथ में जामा तलाशी में नगद 272020 रुपए पीली धातु दो अदद दो अदद मंगलसूत्र दो अदद अंगूठी एक अदद चैन दो जोड़ी टॉप्स एक जोड़ी झुमकी एक अदद नाक-नथ एक जोड़ी सुई धागा समेत चांदी की एक अदद पेटी तीन जोड़ी पायल दो पायल अलग-अलग एक जोड़ी हथ फूल तीन जोड़ी बिछिया एक चांदी का नोट दो चांदी के गोल सिक्के एक चांदी की हाय समेत सामान बरामद हुआ तथा दूसरी चोरी में नगदी 1लाख 20 हजार रुपए तथा सोने चांदी के आभूषण बरामद किए उन्होंने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ कोतवाली कालपी में तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

शिक्षा का स्तर सुधारना हम सबकी जिम्मेदारी, लापरवाह सरपंचों को ध्वजारोहण का नैतिक अधिकार नहीं

ग्राम पंचायतों की उदासीनता से जर्जर हो रहे सरकारी स्कूल, जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर उठे सवाल

शिवपुरी, जीएनएस।
शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना केवल सरकार या शिक्षा विभाग का ही काम नहीं है, बल्कि यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। खासकर शिवपुरी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जहां आज भी सरकारी स्कूल ही गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों के भविष्य की नींव रखते हैं, वहां ग्राम पंचायतों और उनके मुखिया सरपंचों की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि शिवपुरी जिले की कई ग्राम पंचायतों में सरपंचों ने विद्यालयों की व्यवस्था सुधारने पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया है। ऐसे जनप्रतिनिधियों को 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे पावन राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं बनता।

यह बात किसी एक ब्लॉक की नहीं, बल्कि शिवपुरी जिले के पिछोर, खनियाधाना, करैरा, पोहरी, कोलारस और बदरवास सहित लगभग सभी जनपदों की कई पंचायतों की सच्चाई है। आज भी जिले के कई गांवों में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के भवन जर्जर अवस्था में हैं। कहीं छत से पानी टपक रहा है, तो कहीं खिड़की-दरवाजे टूटे पड़े हैं। विद्यालय परिसर में झाड़ियां उगी हैं, बाउंड्री वॉल नहीं है, शौचालय बदहाल हैं और पीने के साफ पानी तक की व्यवस्था नहीं है। ऐसे माहौल में नौनिहाल कैसे पढ़ेंगे और कैसे देश का भविष्य बनेंगे, यह बड़ा सवाल है।

नियमानुसार ग्राम पंचायतों के पास शिक्षा के उन्नयन के लिए पर्याप्त अधिकार और बजट होता है। 14वें और 15वें वित्त आयोग की राशि, मनरेगा तथा अन्य मदों से स्कूलों के भवनों की मरम्मत, रंग-रोगन, फर्नीचर, बाउंड्री वॉल निर्माण, खेल मैदान का समतलीकरण और परिसर को सुव्यवस्थित करने जैसे कार्य कराए जा सकते हैं। ग्राम पंचायत की स्थायी समिति - शिक्षा समिति का अध्यक्ष भी सरपंच ही होता है। इसलिए स्कूलों की भौतिक व्यवस्था सुधारने में शिवपुरी जिले की ग्राम पंचायतों के सरपंचों की मुख्य भूमिका होनी चाहिए।

लेकिन देखा यह जा रहा है कि जिले के अधिकांश सरपंचों का पूरा ध्यान केवल सड़क, नाली और अन्य निर्माण कार्यों पर ही रहता है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दे उनके एजेंडे में सबसे नीचे होते हैं। सरपंच चुनाव के समय बड़ी-बड़ी बातें करने वाले जनप्रतिनिधि जीतने के बाद साल में एक बार भी स्कूल का निरीक्षण करना जरूरी नहीं समझते। नतीजा यह है कि शिक्षक भी उदासीन हो जाते हैं और शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। शिवपुरी जिले में शिक्षा की इस बदहाली का खामियाजा सीधे गरीब बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। अब समय आ गया है कि इस पर खुलकर चर्चा हो। जिस ग्राम पंचायत का स्कूल जर्जर है, जहां बच्चों के बैठने के लिए टाट-पट्टी तक नहीं है, उस पंचायत के सरपंच को मंच पर खड़े होकर राष्ट्रगान और देश के भविष्य के भाषण देने का हक कैसे मिल सकता है? ध्वजारोहण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यदि आप अपने गांव के स्कूल को नहीं सुधार सकते, तो आप राष्ट्र निर्माण की बात कैसे कर सकते हैं? शासन को भी इस दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। शिवपुरी जिला प्रशासन और जिला पंचायत सीईओ को चाहिए कि हर 15 अगस्त और 26 जनवरी से पहले सभी ग्राम पंचायतों के स्कूलों की भौतिक स्थिति की रिपोर्ट ले और जिन पंचायतों में स्कूलों की हालत सबसे ज्यादा खराब हो, वहां के सरपंचों से जवाब-तलब किया जाए। साथ ही जागरूक नागरिकों, पालक-शिक्षक संघ और युवाओं को भी आगे आना होगा। उन्हें ग्राम सभा में स्कूल सुधार का मुद्दा जोर-शोर से उठाना होगा।

याद रखिए, एक अच्छा भवन, साफ-सुथरा परिसर और मूलभूत सुविधाओं से लैस स्कूल ही बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करता है। शिक्षा का स्तर सुधारना हम सबकी जिम्मेदारी है और इसकी शुरुआत हमारे शिवपुरी जिले के गांव के स्कूल से ही होनी चाहिए।

''सृजन संवाद'' से खाकी के करीब आए नौनिहाल, पुलिस थानों में विद्यार्थियों ने समझा कानून और सुरक्षा का पाठ

ग्वालियर, जीएनएस।
मध्यप्रदेश पुलिस के 'सृजन संवाद' कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर के मार्गदर्शन में आज ग्वालियर जिले के विभिन्न थानों में स्कूली विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम एवं थाना भ्रमण का आयोजन किया गया। ''सृजन संवाद'' पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से पुलिस के प्रति भय की भावना को दूर कर पुलिस को मित्र एवं रक्षक के रूप में स्थापित करना, बच्चों को कानून एवं उनके अधिकारों की जानकारी देना तथा उनमें सुरक्षा, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

इसी क्रम में उप पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा शाखा श्रीमती शिखा सोनी एवं महिला थाना प्रभारी उनि0 रश्मि भदौरिया के द्वारा सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन एबनेजर हाई सेकेंडरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, हेल्पलाइन सेवाओं तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान किया गया तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति होने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का

उद्देश्य विद्यार्थियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाना रहा।

विद्यार्थियों ने नजदीक से समझी पुलिस की कार्यप्रणाली- आज थाना इंदरगंज, झाँसीरोड, डबरा देहात, तिघरा, घाटीगांव, ठाठीपुर, जनकगंज सहित जिले के विभिन्न थानों में भ्रमण के दौरान थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को थाने की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मालखाना, हवालात, महिला डेस्क, रीडर कक्ष सहित थाना परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण कक्षों का भ्रमण किया। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को शिकायत प्राप्त करने एवं रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया, विवेचना, अभिलेख संधारण तथा न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के संबंध में भी सरल भाषा में जानकारी दी।सुरक्षा एवं कानून संबंधी दी महत्वपूर्ण जानकारी- पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें बाल एवं महिला अधिकारों तथा महिला सुरक्षा के उपाय, साइबर अपराध से बचाव एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया साथ ही उन्हे ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने तथा साइबर अपराध की शिकायत करने के संबंध में जानकारी दी। सवांद के दौरान छात्रों को आत्मरक्षा एवं आपात स्थिति में पुलिस सहायता लेने के उपाय बताए एवं उन्हे हेलमेट की अनिवार्यता व यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस और विद्यार्थियों के बीच बढ़ा विश्वास- 'सृजन संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिला। इस दौरान विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को आश्वस्त किया कि किसी भी प्रकार की समस्या, अपराध या असुरक्षा की स्थिति में वे बिना किसी भय के पुलिस से संपर्क कर सकते हैं।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत एसएसपी ग्वालियर ने थाना आरोन परिसर में किया पौधारोपण

ग्वालियर, जीएनएस।
पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) द्वारा थाना आरोन परिसर में पौधारोपण किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने पौधारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन एवं पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण को सुरक्षित एवं संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण कर

उनकी नियमित देखभाल किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

जिला मजिस्ट्रेट ने दो आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

शिवपुरी, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने दो आदतन अपराधियों को जिलाबदर किया है और शिवपुरी जिले तथा उसके समीपवर्ती जिलों की सीमा से छह माह के लिए बाहर जाने के निर्देश दिए है। आदतन अपराधी अरुण परिहार पुत्र राजपाल सिंह परिहार उम्र 36 साल निवासी ग्राम श्रीपुर चक्क थाना बदरवास एक आदतन अपराधी है जिस पर वर्ष 2008 से अभी तक विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। इसी प्रकार आदतन अपराधी रावसाहब लोधी पुत्र सीताराम लोधी, उम्र 25 साल निवासी ग्राम बदनपुर थाना पिछोर एक आदतन अपराधी है जिस पर वर्ष 2021 से अभी तक विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध है। उक्त अपराधियों की आपराधिक गतिविधियों से शांति व्यवस्था प्रभावित होती है तथा किसी भी दिन गंभीर घटना घटित हो सकती है। आदतन अपराधियों को शिवपुरी एवं उसके आस-पास के जिलों ग?वालियर, अशोकनगर, श्योपुर, मुरैना, दतिया, गुना की सीमा के भीतर से 6 माह के लिये जिला बदर किया है। जिलाबदर की अवधि में जिस-जिस स्थान पर निवास करेगा, उसकी लिखित सूचना प्रतिमाह रजिस्टर्ड डाक से संबंधित थाने को आवश्यक रूप से देना होगी तथा वहां के थाना प्रभारी तत्संबंधी रिकार्ड संधारित करेंगे।

बदलाव जरूरी है, एक सितंबर को दिल्ली चलो: संजीव राजपूत

डबरा, जीएनएस।
भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय आह्वान पर 'बदलाव जरूरी है' अभियान के तहत डबरा में पदयात्रा निकाली गई। पार्टी की ओर से 6 से 14 अगस्त तक देशभर में पदयात्राओं के माध्यम से जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान और बदलाव की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पदयात्रा के दौरान विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर डबरा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 29 में आदिवासी परिवारों के बीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष

और बच्चे शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान पूरी बस्ती में भ्रमण कर आदिवासी समाज को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं भाकपा मध्यप्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड संजीव राजपूत ने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन के साथ प्रकृति की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है।

शासकीय आईटीआई शिवपुरी में प्लेसमेंट ड्राइव, मारुति सुजुकी में 63 प्रशिक्षणार्थियों का चयन

शिवपुरी, जीएनएस।
शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) शिवपुरी में मारुति सुजुकी कंपनी, गुजरात द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। इसमें आईटीआई के फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक ट्रेड के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

150 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया भाग, 63 अंतिम रूप से चयनित शासकीय आईटीआई शिवपुरी के प्राचार्य श्री हेमंत दंडोतिया ने बताया कि कंपनी द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 150 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 63 प्रशिक्षणार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया है। चयनित उम्मीदवारों को कंपनी की ओर से 28,300 रुपये प्रतिमाह सीटीसी के साथ अन्य निर्धारित सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

आगे भी नियमित रूप से आयोजित होंगी प्लेसमेंट ड्राइव
आईटीआई शिवपुरी की ओर से चयनित प्रशिक्षणार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। वहीं, चयनित नहीं हो सके उम्मीदवारों को निराश न होकर अधिक तैयारी के साथ आगामी प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संस्था द्वारा आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों के लिए भी इसी तरह नियमित रूप से प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाएंगी, ताकि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें।

शिवपुरी शहर की सड़कों पर गड्ढों का राज, पैच रिपेयरिंग गायब

शिवपुरी, जीएनएस।
शहर की सड़कों पर इस समय गड्ढों का राज है। पैच रिपेयरिंग के लिए नगर पालिका को सालाना लाखों रुपए का बजट मिलता है, लेकिन सड़कों की हालत जस की तस है। बजट कहां खर्च हो रहा है, इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। बारिश के कारण शहर की मुख्य सड़कें उखड़ गई हैं। आर्य समाज रोड, प्रगति बाजार, निचला बाजार, हलवाई खाना, सुभाष कॉलोनी रोड, न्यू ब्लॉक, धर्मशाला रोड, गांधी चौक, नवाब साहब रोड, राजेश्वरी रोड, पुरानी शिवपुरी, नीलगढ़ चौराहा, पुरानी बस स्टैंड के पास और फिजिकल रोड जैसी जगहों पर सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इन गड्ढों को भरने के लिए नगर पालिका की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते और वाहन चालक आए दिन गिर रहे हैं। दोपहिया चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। व्यापारी वर्ग ने भी बाजार क्षेत्र की सड़कों की बदहाली पर नाराजगी जताई है।

नगर पालिका सूत्रों के अनुसार हर साल सड़कों के रखरखाव और पैच वर्क के लिए बजट आता है, लेकिन धरातल पर काम दिखाई नहीं दे रहा। लोगों का आरोप है कि पैसा कागजों में ही खर्च हो रहा है।

नागरिकों ने प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि बारिश के इस दौर में गड्ढे भरे जाएं और नियमित पैच रिपेयरिंग कराई जाए ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

पोहरी एसडीएम ने ली पटवारियों की बैठक

शिवपुरी, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को पोहरी जनपद सभागार में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री जेपी गुप्ता ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण को लेकर समस्त पटवारियों की बैठक ली। बैठक में नवागत तहसीलदार श्रीमती कल्पना शर्मा एवं नायब तहसीलदार श्रीमती सरिता भदौरिया भी उपस्थित रहीं। बैठक में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, भूमि आवंटन, राजस्व वसूली, लोकसेवा के लंबित प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री, सीएम हेल्पलाइन तथा बाढ़ से संबंधित प्रकरणों सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। एसडीएम श्री जेपी गुप्ता ने सभी पटवारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी तरह की अनावश्यक देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजस्व वसूली बढ़ाने और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के निर्देश
एसडीएम ने सभी पटवारियों को राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश देते हुए पटवारी हल्का स्तर पर वसूली का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। साथ ही 7 दिवस में अतिक्रमण संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का भी समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। जुलाई माह में प्राप्त सभी लंबित शिकायतों का 7 दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। अनुभाग में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए एसडीएम ने सभी पटवारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिवर्षा या बाढ़ के कारण किसी भी व्यक्ति को नुकसान होने की स्थिति में तत्काल संबंधित वरिष्ठ अधिकारी को रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई समय पर की जा सके।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

शिवपुरी, जीएनएस।
जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 में सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना के तहत मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के लिए सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार दिए जाएंगे।

इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर उन्नतशील किसानों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जला स्तर पर 25 हजार और विकासखंड स्तर पर 10 हजार रुपये का पुरस्कार किसान कल्याण तथा कृषि विभाग के परियोजना संचालक आत्मा ने बताया कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नई कृषि तकनीक अपनाकर बेहतर कार्य करने वाले किसानों का चयन पुरस्कार के लिए किया जाएगा। पुरस्कार के तहत जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक को 25 हजार रुपये तथा विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक को 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता ने कहा- जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प

जीडीए जनसुनवाई में 20 प्रकरणों पर हुई सुनवाई, आठ का मौके पर निराकरण

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर विकास प्राधिकरण कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता ने हितग्राहियों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है और लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना प्राथमिकता है।

जनसुनवाई में कुल 20 प्रकरणों पर सुनवाई की गई, जिसमें से 8 प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया गया। वहीं पांच प्रकरणों में नामांकन की कार्रवाई पूरी की गई। शेष मामलों में हितग्राहियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में संतोषजनक समाधान करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान ग्वालियर विकास प्राधिकरण के 20 कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ देने के संबंध में भी चर्चा हुई। वाइस चेयरमैन ने इसके निराकरण के लिए कमेटी गठित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजन से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और प्रकरणों का अनावश्यक लंबित न रखें। हितग्राहियों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अधीक्षण यंत्री डी.डी. मिश्रा, संपदा अधिकारी बृजेश शर्मा, कार्यपालन यंत्री सुनील शुक्ला, अकाउंट ऑफिसर, तकनीकी शाखा प्रभारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक, भूखंड प्रभारी संदीप तिवारी, मनोज माथुर, अशोक इंगले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गायत्री शक्तिपीठ पर पार्थिव रुद्र निर्माण और अभिषेक संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

श्रावण मास के पावन अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ तानसेन रोड ग्वालियर में प्रतिदिन पार्थिव रुद्र निर्माण, रुद्राभिषेक एवं गायत्री यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 10 अगस्त को श्रद्धालुओं ने स्वास्थ्य, उज्जवल भविष्य, समृद्ध राष्ट्र निर्माण और अच्छी वर्षा की कामना के साथ पार्थिव रुद्र निर्माण एवं अभिषेक किया।

आयोजन के तहत सुबह 8 बजे से 10 बजे तक श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। इसके बाद 10 बजे से विधि-विधान के साथ रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। अभिषेक का कर्मकांड गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य आरसी त्यागी द्वारा कराया गया। गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी बीके गुप्ता ने बताया कि श्रावण मास में प्रतिदिन 60 से 70 श्रद्धालु रुद्राभिषेक में शामिल हो रहे हैं।

साहित्य शिरोमणि दामोदर दास चतुर्वेदी स्मृति समारोह कल

ग्वालियर जीएनएस

देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के तत्वावधान में 12 अगस्त को ग्वालियर की सिग्नेचर सोसायटी के सभागार में साहित्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी एवं पत्रकार पंडित दामोदर दास चतुर्वेदी की स्मृति को समर्पित होगा।

महोत्सव के दौरान ग्वालियर के प्रतिष्ठित उद्योगपति सेठ सोहनलाल खंडेलवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित बहुराष्ट्रीय पत्रिका 'प्रज्ञान विश्वम्' के विशेषांक का लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली से आ रहे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि एवं पत्रकार पंडित सुरेश नीरव करेंगे, जबकि चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

देश-विदेश के कवि करेंगे कविता पाठ : समारोह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। इसमें

नीदरलैंड्स से प्रवासी कवि विश्वास दुबे सहित डॉ. प्रकाश उपाध्याय (रतलाम), डॉ. राखी कटियार (वडोदरा), मधु मिश्रा (नोएडा), आचार्य विजय तिवारी 'किसलय' (जबलपुर), डॉ. अमरकांत कुमार (दरभंगा), विनय कुमार (गुरुग्राम), कन्हैयालाल 'भ्रमर' (जयपुर), डॉ. प्रेमलता नीलम (दमोह), अतुल वीएन चतुर्वेदी (इटावा) और प्रवीण चौहान (गाजियाबाद) कविता पाठ करेंगे। ग्वालियर के स्थानीय कवियों में डॉ. भगवान स्वरूप चैतन्य और डॉ. मुक्ता सिकरवार भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

इस अवसर पर साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साहित्यकारों और समाजसेवियों को 'साहित्य शिरोमणि दामोदर दास चतुर्वेदी स्मृति सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा। आयोजन को लेकर साहित्यप्रेमियों में उत्साह है।

हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन गीतों पर किया नृत्य, रैंप वॉक और झूले का लिया आनंद

सावन फुहार में महिलाओं ने बिखेरी हरियाली तीज की रंगत

ग्वालियर जीएनएस

नई सड़क स्थित तेरापंथी धर्मशाला में शनिवार को जैन मिलन महिला महानगर ग्वालियर की ओर से 'सावन फुहार' हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ सावन पर्व की खुशियां मनाईं। हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन गीतों पर नृत्य किया और संगीत की धुन पर रैंप वॉक कर कार्यक्रम में रंग जमा दिया। महिलाओं ने झूले का आनंद लेते हुए सावन के पारंपरिक गीत भी गाए।

महोत्सव के दौरान धार्मिक हाउजी, सरप्राइज गेम, प्रश्नमंच सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सावन की पारंपरिक संस्कृति और उत्सव की झलक

प्रस्तुत की।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान : कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से सेवा कार्य भी किया गया। एक जरूरतमंद छात्रा की पूरे वर्ष की स्कूल फीस संस्था द्वारा प्रदान की गई। वहीं कक्षा 10वीं में 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक नीलम भौच, संगीता पांड्या, नीति टोंगिया, पायल गोधा, सुरभि कासलीवाल, प्रीति पाटनी, स्वीटी कासलीवाल, आराधना क्षेत्रपाल, सिम्मी बोहरा, चांदनी जैन, नीतू पांड्या, जया गोधा, शिल्पी बाकलीवाल, निधि पहाड़िया और दीक्षा कागदी सहित अन्य महिलाओं ने सावन गीतों पर प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष मंजू पाटनी, अध्यक्ष संगीता कागदी और कोषाध्यक्ष नीलम जैन सहित संस्था की पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहीं। अंत में सचिव प्रीति पांड्या ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

हर थाने में बाल कल्याण अधिकारी जरूरी, पॉक्सो मामलों में 24 घंटे की जवाबदेही

ग्वालियर जीएनएस

बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े मामलों में पुलिस एवं प्रशासन की जवाबदेही तय करते हुए राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने जिले के प्रत्येक पुलिस थाने में बाल कल्याण अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बाल कल्याण अधिकारियों को पॉक्सो अधिनियम सहित बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों का आवश्यक प्रशिक्षण भी दिलाया जाए।

कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय बैठक में डॉ. शर्मा ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के प्रत्येक प्रकरण को 24 घंटे के भीतर जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है। उन्होंने पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 5 और 6 से संबंधित मामलों में पर्याप्त संख्या में सपोर्ट पर्सन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि पीड़ित बच्चों को कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता समय पर मिल सके।

बाल देखरेख संस्थाओं में सुरक्षा पर जोर : आयोग अध्यक्ष ने बाल देखरेख संस्थाओं में बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच

कराने और समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की देखभाल करने वाली संस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया।

नशे और बाल श्रम पर प्रभावी कार्रवाई : डॉ. शर्मा ने बच्चों को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए ग्वालियर में रिहैबिलिटेशन सेंटर शुरू करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने बाल श्रम पर प्रभावी रोक लगाने और जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान कर उनके पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने छह वर्ष तक की उम्र के श्रवण बाधित बच्चों को चिन्हित कर सरकारी खर्च पर कॉक्लियर इम्प्लांट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को आपसी समन्वय से काम करने को कहा।

बैठक में किशोर न्याय, बाल विवाह निषेध, शिक्षा का अधिकार, बाल पोषण, गुमशुदा एवं जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान, संरक्षण और पुनर्वास सहित बाल अधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। आयोग अध्यक्ष ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने और बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने को कहा।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।